हिन्दी सान्ध्य दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष : 01 अंक : 337 : जौनपुर, शुक्रवार 08 सितम्बर 2023 सान्ध्य दैनिक (संस्करण) पेज – 4 मूल्य : 2 रूपया

सीएम योगी ने पुलिस लाइन में मनाई जन्माष्टमी

लखनऊ। सीएम योगी आदित्यनाथ गुरुवार को हर साल की तरह जन्माष्टमी पर लखनऊ पुलिस लाइन में आयोजित कृष्ण जन्मोत्सव में शामिल हुए। उन्होंने कहा कि 5250 वर्ष पूर्व भगवान विष्णु के एक पूर्ण अवतार के रूप में भगवान श्री कृष्ण ने वर्तमान उत्तर प्रदेश के मथुरा में जन्म लिया था। उनका जन्म धर्म, सत्य और न्याय की स्थापना के लिए हुआ था। उन्होंने कहा कि कुछ लोग भारत की प्रगति से चिढ़ते हैं, सनातन धर्म को मिटाने की बात करते हैं। लेकिन उन्हें मालूम नहीं है कि सनातन धर्म सत्य और शाश्वत है। उन्होंने कहा कि

रावण, कंस और हिरण्यकश्यप जैसे लोगों ने इसे मिटाने का प्रयास किया लेकिन सनातन धर्म आज भी कायम है। उन्होंने कहा कि भारत की प्रगति के लिए श्री कृष्ण जैसे अवतारों ने मार्ग प्रशस्त किया।

सीएम योगी ने कहा जहां कहीं शांति में, विधि व्यवस्था में खलल डालने का प्रयास किया गया तो परित्राणाय साधुनाम, विनाशय च दुष्कृताम के जरिये ईश्वर ने दंड दिया। भारतीय समाज के सामने कोई भी इस प्रकार की स्थिति पैदा हुई तो भगवान कृष्ण का चरित्र हम सबको एक नई प्रेरणा नहीं ऊर्जा से आगे बढ़ने का कार्य करता है। भारत की प्रगति भारत की समृद्धि वैश्विक मंच पर दिखाई दे रही है।

पुलिस कर्मियों से उन्होंने कहा कि विश्व के सामने यूपी कि छवि को चमकाने में आपका बड़ा योगदान है। इसके चलते ही आज देश में 1 करोड़ 31 लाख पर्यटकों ने यहाँ आने में रूचि दिखाई। विपक्षियों पर कटाक्ष करते हुए उन्होंने कहा कि सूर्य पर थूकने से अपना ही सिर गन्दा होता है। उन्होंने कहा कि सनातन मिटाने वालों को अपने कृत्यों पर शर्मिंदा होना चाहिए। उसकी आने वाली पीढ़ी को स्वयं लज्जित होना पड़ेगा। हमें भारत की परंपरा पर गौरव की अनुभूति करनी चाहिए। दुनिया को मानवीय कल्याण के मार्ग पर चलने वाली प्रेरणा देने वाले सनातन धर्म की परंपरा पर गौरव की अनुभूति करनी चाहिए यह भारत की राष्ट्रीयता का प्रतीक है। सनातन दुनिया के अंदर मानवता के कल्याण का मार्ग प्रशस्त करने वाला माध्यम बनता है। सीएम ने कहा कि वसुधैव कुटुंबकम का उद्घोष देने वाला भारत इसे चरितार्थ भी कर रहा है।

उदयनिधि के बयान पर सख्ती से जवाब देना होगा... सनातन धर्म विवाद पर पहली बार बोले पीएम मोदी

एजेन्सी

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिल्ली में होने जा रहे जी–20 समिट से पहले मंत्रियों के साथ बैठक की और उनको कुछ खास हिदायतें दीं। पीएम मोदी ने सनातन धर्म पर हो रहे विवाद पर कहा कि उदयनिधि स्टालिन को उचित जवाब देना होगा। पीएम मोदी ने मंत्रियों से कहा कि उदयनिधि के सनातन धर्म वाले बयान पर सही से जवाब दें। साथ ही पीएम मोदी ने मंत्रियों से इंडिया बनाम भारत पर कुछ नहीं बोलने को कहा है। पीएम मोदी ने मंत्रियों से कहा कि जी–20 समिट के दौरान वीआईपी क्लचर को न अपनाएं और जिसको जो ड्यूटी दी गई है वहां मंत्री समय पर पहुंचें। बता दें कि तमिलनाडु सीएम एमके स्टालिन के बेटे उदयनिधि स्टालिन सनातन धर्म को लेकर दिए अपने बयान के कारण देशभर में निशाने पर है। उदयनिधि ने एक सम्मेलन में कहा था कि सनातन धर्म डेंगू, मलेरिया की तरह है जिसे मिटाना जरूरी है। उदयनिधि ने कहा कि मच्छरों, डेंगू, मलेरिया और कोरोना की तरह ही सनातन धर्म को बढ़ने से रोकना है।

चीनी की कीमतों में उछाल, 6 साल के हाई लेवल पर पहुंचे भाव

एजेन्सी

नयी दिल्ली। टमाटर–प्याज की महंगाई के बाद मिठाइयों की मिठास भी कड़वी हो सकती है। देश में चीनी की कीमतों के भाव आसमान छू रहे हैं। चीनी के घरेलू दाम इस समय 3 फीसदी बढ़कर 6 साल के हाई लेवल पर हैं। बाजार की मानें तो चीनी के कम उत्पादन की आशंका के चलते भाव में इतना इजाफा हुआ है। उद्योग से जुड़े सूत्रों के मुताबिक, महज पिछले 15 दिनों में ही चीनी की कीमत में तीन फीसदी की तेजी आई है। गन्ना उत्पादक क्षेत्रों में बारिश की कमी के कारण कीमतें बढ़ी हैं, जबकि त्योहारी सीजन करीब है, जब मिठाइयों की खपत कई गुना बढ़ जाती है। इससे खाद्य मुद्रास्फीति बढ़ सकती है और सरकार चीनी निर्यात की अनुमति देने से हतोत्साहित हो सकती है।

राजस्थान में कांग्रेस की हताशा मंच से लेकर सड़कों तक साफ दिखाई दे रही है : नड्डा

एजेन्सी

नयी दिल्ली। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने राजस्थान की अशोक गहलोत सरकार पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया है कि राजस्थान में कांग्रेस की हताशा मंच से लेकर सड़कों तक साफ दिखाई दे रही है और कांग्रेस के विधायक पार्टी के मंचों से अपनी सरकार में अपनी दुर्दशा की कहानी सुना रहे है। नड्डा ने विधान सभा चुनाव में भाजपा की जीत का दावा करते हुए यह भी कहा कि इस बार राजस्थान में जनता के आशीर्वाद का हाथ भाजपा के साथ है और कांग्रेस पूरी तरफ साफ है। भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने एक वीडियो शेयर करते हुए एक्स कर कहा, राजस्थान में कांग्रेस की हताशा मंच से लेकर सड़कों तक साफ दिखाई दे रही है। कांग्रेस के विधायक पार्टी के मंचों से अपनी सरकार में अपनी दुर्दशा की कहानी सुना रहे है। गहलोत सरकार से जनता के साथ खुद्द कांग्रेस के लोग भी त्रस्त हैं। इस बार राजस्थान में जनता के आशीर्वाद का हाथ भाजपा के साथ है और कांग्रेस पूरी तरफ साफ है।

यात्रा पर पथराव के कारण जानने के लिए देखने होंगे विपक्षी नेताओं के बयान : गृह मंत्री

एजेन्सी

रीवा। मध्यप्रदेश के नीमच जिले में भारतीय जनता पार्टी की जन आशीर्वाद यात्रा के काफिले पर पथराव के मामले पर गृह मंत्री डॉ नरोत्तम मिश्रा ने आज कहा कि इसके कारण जानने के लिए विपक्षी नेताओं के पहले के बयान देखने होंगे। डॉ मिश्रा ने यहां संवाददाताओं से चर्चा के दौरान कहा कि यात्रा पर पथराव क्यों हुआ, ये जानने के लिए विपक्षी नेताओं के पहले के बयान देखने पड़ेंगे, सब समझ में आ जाएगा। उन्होंने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ पहले ही कह चुके थे कि यहां मणिपुर जैसा पथराव हो सकता है, इस तरह वे उकसाने का काम कर रहे थे। दिग्विजय सिंह हरियाणा के नूंह का उदाहरण दे चुके थे। ये भी उकसावे वाला काम था। उन्होंने कहा कि मामले में जिस खेमा गुर्जर नाम के व्यक्ति समेत अन्य लोगों पर

प्राथमिकी हुई है, वे कांग्रेस से जुड़े लोग हैं। कांग्रेस हताशा की ओर जा रही है, इसलिए वो ऐसे हथकंडों का सहारा लेगी। ये बात जनता को समझ जाना चाहिए।

नीमच जिले के मनासा क्षेत्र में कल देर शाम जन आशीर्वाद यात्रा के काफिले पर कुछ लोगों ने हंगामा करते हुए पथराव कर दिया, जिससे कुछ वाहन क्षतिग्रस्त हो गए। हालाकि वाहनों में सवार भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता सुरक्षित हैं। पुलिस सूत्रों के अनुसार रावली कुंडी क्षेत्र में कुछ ग्रामीणों ने हंगामा करते हुए जन आशीर्वाद यात्रा में शामिल वाहनों पर पथराव किया। घटनास्थल पर मौजूद पुलिस अधिकारियों और जवानों ने तुरंत स्थिति को संभालने का प्रयास किया और विशेष वाहन में सवार वरिष्ठ नेताओं को सुरक्षित उतारकर सुरक्षा घेरे में ले लिया। इसके साथ ही हंगामा कर रहे लोगों को वहां से खदेड़ दिया गया। सूत्रों का कहना है कि इस मामले में वैधानिक कार्रवाई कर आरोपियों की पहचान की जा रही है।

बताया गया है कि यात्रा में भाजपा के अनेक क्षेत्रीय जनप्रतिनिधि भी मौजूद थे। पथराव में कुछ वाहनों के कांच टूट गए हैं। पत्थर स्थानीय भाजपा विधायक के वाहन में भी लगा है। पथराव के बाद हुए हंगामे के वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुए हैं। ग्रामीण इस क्षेत्र में कथित चीता प्रोजेक्ट से संबंधित लंबी दीवार बनाने का विरोध कुछ दिनों से कर रहे हैं। पथराव की घटना को इसी मामले से जोड़कर देखा जा रहा है।

जम्मू में एयर शो करेगी भारतीय वायुसेना

एजेन्सी

नयी दिल्ली। भारतीय वायुसेना 21 सितंबर को जम्मू हवाईक्षेत्र में एयर शो करने जा रही है। जम्मू में होने वाला आज यह एयर शो अपनी तरह का खास एयर शो होगा। वायुसेना के अधिकारियों का कहना है कि इस एयर शो का आयोजन भारतीय वायुसेना व स्थानीय प्रशासन के सहयोग से किया जा रहा है। इस एयर शो में लड़ाकू जेट और हेलीकॉप्टर सहित विभिन्न प्रकार के विमान शामिल होंगे।

इस एयर शो में दर्शकों के लिए जिला प्रशासन की ओर से विशेष व्यवस्था की जाएगी। यहां इस एयर शो में स्काई–डाइविंग एक अतिरिक्त आकर्षण होगा। जानकारी के मुताबिक, वायुसेना के जांबाज पैराशूट के साथ विमान से हवा में छलांग लगाएंगे। गौरतलब है कि इन दिनों भारतीय वायुसेना ने चीन और पाकिस्तान सीमा के समीप ट्रेनिंग अभ्यास त्रिशूल शुरू किया है। भारत में जी–20 शिखर सम्मेलन से पहले ये ट्रेनिंग अभ्यास काफी मायने रखता है।

इंडिया से भारत! शशि थरूर ने विपक्षी गुट के लिए भारत नाम का सुझाव दिया

एजेन्सी

नयी दिल्ली। कांग्रेस नेता शशि थरूर ने बुधवार को विपक्षी दलों के गठबंधन श्इंडियाश का नाम बदलकर भारत– अलायंस फॉर बेटरमेंट, हार्मनी एंड रिस्प्पॉन्सिबल एडवांसमेंट फॉर टुमॉरो–करने का सुझाव दिया, ताकि सत्तारूढ़ भाजपा नाम बदलने का अपना घिनौना खेल बंद करे। उनकी यह टिप्पणी राष्ट्रपति भवन द्वारा 9 सितंबर के जी20 रात्रिभोज के लिए अंग्रेजी में सामान्य श्प्रेसिडेंट ऑफ इंडियाश की बजाय प्रेसडेंट ऑफ भारत के नाम पर निमंत्रण भेजे जाने के बाद सत्तारूढ़ भाजपा और कांग्रेस के बीच तीखी जुबानी जंग के बीच आई है।

थरूर ने एक्स पर लिखा, "हम निश्चित रूप से खुद को अलायंस फॉर बेटरमेंट, हार्मनी एंड रिस्पॉन्सिबल एडवांसमेंट फॉर टुमारो (भारत) कह सकते हैं। तब शायद सत्ताधारी दल नाम बदलने का यह घिनौना खेल बंद कर दे।" कांग्रेस के नेतृत्व वाले विपक्षी दलों ने 17 और 18 जुलाई को कर्नाटक के बेंगलुरु में ब्लॉक की दूसरी बैठक के दौरान समान विचारधारा वाले दलों के गठबंधन को भारतीय राष्ट्रीय विकासात्मक समावेशी गठबंधन (इंडिया) नाम दिया था। इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इंडिया गठबंधन पर निशाना साधते हुए कहा था कि इंडियन मुजाहिदीन और ईस्ट इंडिया कंपनी के नाम में भी इंडिया शब्द है। बाद में, विपक्ष द्वारा लाए गए अविश्वास प्रस्ताव पर अपने जवाब से पहले प्रधानमंत्री ने विपक्षी दलों पर निशाना साधते हुए कहा कि यह श्इंडियाश गठबंधन के दलों के बीच आपसी अविश्वास का प्रतिबिंब है क्योंकि वे परीक्षण करना चाहते हैं कि कौन उनके प्रस्ताव के साथ है और कौन नहीं।

भाजपा संसदीय दल की बैठक में पार्टी सांसदों को अपने संबोधन में उन्होंने विपक्षी गठबंधन को श्घमंडियाश (अहंकार से चिह्नित) बताया और दिल्ली सेवा विधेयक पर मतदान में सेमीफाइनल जीत के लिए पार्टी के राज्यसभा सदस्यों को बधाई दी। इस बीच, कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों ने इंडिया शब्द्द की तुलना ईस्ट इंडिया कंपनी और प्रतिबंधित आतंकी संगठन इंडियन मुजाहिदीन से करने पर भाजपा पर पलटवार किया है।

नए संसद भवन में आयोजित हो सकता है संसद का विशेष सत्र

एजेन्सी

नयी दिल्ली। मोदी सरकार द्वारा बुलाया गया संसद का विशेष सत्र नए भवन में आयोजित हो सकता है। सूत्रों की माने तो संसद के इस विशेष सत्र के पहले दिन 18 सितंबर को संसद के दोनों सदनों की कार्यवाही संसद के पुराने भवन में उसी तरह से शुरू होगी जैसा कि पहले हुआ करती थी और विशेष सत्र के दूसरे दिन यानी 19 सितंबर से दोनों सदनों की कार्यवाही नए भवन में हो सकती है।

हालांकि इसे लेकर अभी तक आधिकारिक स्तर पर कोई घोषणा नहीं की गई है लेकिन सूत्रों के मुताबिक इस प्रस्ताव पर गंभीरता से विचार किया जा रहा है। आपको बता दें कि, अमृत काल के समय में मोदी सरकार ने संसद का यह विशेष सत्र बुलाया है। 18 से 22 सितंबर के दौरान आयोजित होने वाले संसद के इस विशेष सत्र में 5 बैठकें होंगी। यह 17वीं लोक सभा का 13वां सत्र और राज्यसभा का 261वां सत्र होगा।केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री प्रल्हाद जोशी इस विशेष सत्र को लेकर पहले ही यह उम्मीद जता चुके हैं।

सनातन धर्म पर अभद्र टिप्पणी: तमिलनाडु के मंत्री उदयनिधि स्टालिन और प्रियांक खरगे के खिलाफ केस दर्ज

एजेन्सी

रामपुर। सनातन धर्म को लेकर अभद्र टिप्पणी करने के आरोप में तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन के बेटे उदयनिधि और कथित रूप से उनका समर्थन करने वाले कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के बेटे प्रियंक खरगे के खिलाफ रामपुर में मुकदमा दर्ज हुआ है। पुलिस सूत्रों ने बुधवार को बताया कि अधिवक्ता हर्ष गुप्ता और राम सिंह लोधी ने रामपुर की सिविल लाइंस कोतवाली में मंगलवार शाम यह मुकदमा दर्ज कराया। सूत्रों के मुताबिक, मुकदमे में उदयनिधि और प्रियंक पर धार्मिक भावनाएं भड़काने और समाज में द्वेष फैलाने का आरोप लगाया गया है। मुकदमा दर्ज करवाने वाले अधिवक्ता हर्ष गुप्ता ने बताया कि चार सितंबर को अखबारों में तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन के बेटे उदयनिधि स्टालिन द्वारा सनातन धर्म की तुलना डेंगू और मलेरिया से करते हुए उसे खत्म किए जाने की जरूरत बताए जाने संबंधी एक समाचार प्रकाशित हुआ था। गुप्ता ने कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के बेटे प्रियंक खरगे ने उदयनिधि के इस बयान का समर्थन किया था, जिससे संबंधित खबर भी एक राष्ट्रीय हिंदी दैनिक में छपी थी।

अधिवक्ता ने कहा कि इससे उसकी भावनाएं आहत हुई हैं, जिसके चलते उसने मुकदमा दर्ज कराया है। तमिलनाडु के युवा कल्याण एवं खेल मंत्री उदयनिधि ने दो सितंबर को चेन्नई में आयोजित एक कार्यक्रम में सनातन धर्म को लेकर विवादित टिप्पणी की थी। उन्होंने सनातन धर्म की तुलना कोरोना वायरस संक्रमण, डेंगू और मलेरिया से करते हुए इसे खत्म किए जाने की वकालत की थी। उदयनिधि ने कहा था, सनातन धर्म लोगों को धर्म और जाति के आधार पर विभाजित करता है। सनातन धर्म का समूल नाश दरअसल मानवता और समानता को बनाए रखने के हित में होगा।

पंजाब में कांग्रेस के साथ कोई गठबंधन नहीं करेंगे : आप मंत्री

एजेन्सी/चंडीगढ़। पंजाब की पर्यटन मंत्री अनमोल गगन मान ने बुधवार को कहा कि राज्य में कांग्रेस के साथ आम आदमी पार्टी (आप) का कोई गठबंधन नहीं होगा। उन्होंने मीडिया से कहा, आप का कांग्रेस के साथ कोई सीट बंटवारा नहीं होगा। यानी उनकी पार्टी सभी 13 संसदीय सीटों पर अकेले चुनाव लड़ेगी। बिना कुछ कहे उन्होंने स्पष्ट किया, यह (इंडिया गठबंधन) राष्ट्रीय स्तर पर पार्टी नेतृत्व का आह्वान है।

सुप्रीम कोर्ट ने मणिपुर हिंसा की रिपोर्टिंग मामले में एडिटर्स गिल्ड के सदस्यों को दी राहत

एजेन्सी

नयी दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को एडिटर्स गिल्ड ऑफ इंडिया (ईजीआई) के अध्यक्ष और तीन संपादकों को राज्य में जारी हिंसा पर कथित तौर से पक्षपातपूर्ण और तथ्थ्यात्थ्मक रूप से गलत रिपोर्ट जारी करने के लिए मणिपुर पुलिस द्वारा दर्ज की गई प्राथमिकी के संबंध में किसी भी दंडात्मक कार्रवाई के खिलाफ अंतरिम सुरक्षा प्रदान की।

भारत के मुख्य न्यायाधीश डी.वाई. चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति जे.बी. पारदीवाला तथा न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने आदेश दिया, "सूचीबद्ध होने की अगली तारीख तक, दर्ज की गई प्राथमिकी के संबंध में याचिकाकर्ताओं के खिलाफ कोई कठोर कार्रवाई नहीं की जायेगी।" मामले की अगली सुनवाई सोमवार 11 सितंबर को होगी। मणिपुर सरकार का प्रतिनिधित्व कर रहे वकील कनु अग्रवाल ने अदालत से सोमवार को याचिका पर सुनवाई करने का अनुरोध किया। उन्ह्होंने यह भी कहा कि इसे उच्च्च न्यायालय को भेजा जा सकता है और उच्च्च न्यायालय अपनी योग्यता के आधार पर इस पर निर्णय ले सकता है। पीठ ने संकेत दिया कि वह इस मामले को विचार के लिए मणिपुर उच्च्च न्यायालय को भेज सकती है।

इस पर, ईजीआई द्वारा गठित तथ्य–खोज समिति के सदस्यों की ओर से पेश वरिष्ठ वकील श्याम दीवान ने कहा कि प्राथमिकी दर्ज होने के बाद मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह ने व्यक्तिगत रूप से एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की और एक बयान दिया। इससे पहले सुबह शीर्ष अदालत ईजीआई के अध्यक्ष और तीन संपादकों–सीमा गुहा, भारत भूषण और संजय कपूर द्वारा दायर रिट याचिका पर तत्काल सुनवाई करने पर सहमत हुई, जिसमें जातीय हिंसा और परिस्थितिजन्य पहलुओं की मीडिया रिपोर्टों का अध्ययन करने के लिए याचिकाकर्ताओं के पिछले महीने पूर्वोत्तर राज्य का दौरा करने के बाद मणिपुर पुलिस द्वारा दर्ज की गई प्राथमिकी को चुनौती दी गई थी। दीवान ने याचिका का उल्लेख करते हुए कहा, ष्मामले में बहुत गंभीर तात्कालिकता है... अनिवार्य रूप से, हम गिरफ्तारी और दंडात्मक कदमों से तत्काल सुरक्षा की मांग कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि उनके ग्राहक मणिपुर पुलिस द्वारा गिरफ्तारी की आशंका जता रहे हैं। ईजीआई की तीन सदस्यीय तथ्यान्वेषी टीम ने मणिपुर का दौरा करने के बाद पिछले सप्ताह नयी दिल्ली में अपनी रिपोर्ट प्रकाशित की, जिसमें दावा किया गया।

सम्पादकीय

राजनैतिक दलों की सम्पति

भारतीय राजनीति में शुचिता और पारदर्शिता के पुरोधा लोकनायक जयप्रकाश नारायण मानते थे कि देश में भ्रष्टाचार की सबसे बड़ी वजह महंगे होते चुनाव हैं। अतः वह चुनाव प्रणाली में आमूल–चूल सुधार के प्रमुख अलम्बरदार थे। इसी वजह से उन्होंने 1974 में शुरू हुए अपने आन्दोलन की मुख्य मांग चुनाव सुधार रखी थी। मगर जेपी सत्ता की राजनीति से कोसों दूर थे जिसकी वजह से उन्हीं के चेले–चपेटों ने उनकी बात कभी नहीं सुनी और यहां तक हुआ कि 1977 में जो जनता पार्टी की मोरारजी देसाई सरकार कांग्रेस की इन्दिरा सरकार को हरा कर गद्दीनशीं हुई थी उसी ने जेपी द्वारा चुनाव सुधारों पर गठित तारकुंडे समिति की रिपोर्ट को रद्दी की टोकरी में फेंक कर नया चुनाव सुधार आयोग गठित कर दिया। यह मैं इसलिए याद दिला रहा हूं क्योंकि राजनीति में पारदर्शिता का अभियान चलाने वाली गैर सरकारी संस्था एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफार्म्स (एडीआर) ने अपनी हाल ही में प्रकाशित रिपोर्ट में देश की प्रमुख राष्ट्रीय राजनैतिक पार्टियों की कुल जमा नकद रोकड़ा सम्पत्ति का ब्यौरा प्रकाशित किया है। ये आंकड़े चुनाव आयोग के रिकार्ड में भी दर्ज हैं।

भारत की आठ प्रमुख पार्टियों के पास कुल जमा रोकड़ा 8829 करोड़ रुपए है। इसमें सबसे ज्यादा हिस्सा सत्तारूढ़ भाजपा का 6046 करोड़ रुपए है। इसके बहुत नीचे जाकर दूसरे नम्बर पर कांग्रेस के पास 805 करोड़ रुपए हैं। तीसरे नम्बर पर केरल में सत्तारूढ़ मार्क्सवादी पार्टी 736 करोड़ रुपए के साथ है और चौथे नम्बर पर बहन मायावती की बहुजन समाज पार्टी 691 करोड़ रुपए के आंकड़े पर है। पांचवें नम्बर पर पं. बंगाल की सुश्री ममता बनर्जी की सत्तारूढ़ पार्टी तृणमूल कांग्रेस 458 करोड़ रुपए के साथ है। भाजपा की सर्वाधिक रकम होने पर कोई आश्चर्य नहीं होना चाहिए क्योंकि वह केन्द्र की सत्तारूढ़ पार्टी है, अतः धन्ना सेठ व पूंजीपति उसके कृपापात्र उसी तरह बनना चाहेंगे जिस तरह कांग्रेस के राज में चाहते थे। राज्यों में सत्तारूढ़ पार्टियों को भी अच्छा चन्दा मिलने की वजह समझी जा सकती है मगर जो सबसे चिन्ताजनक संकेत हैं वे सांसदों के करोड़पति से अरब व खरबपति बनने के हैं। राज्यसभा में पक्ष–विपक्ष के बीसियों सांसद हैं जिनकी सम्पत्ति एक हजार करोड़ रुपए से ऊपर है। इसी प्रकार लोकसभा का भी आलम है। यदि भारत की गरीब जनता के चुने हुए प्रतिनिधि अरबपति होंगे तो निश्चित रूप से भारत के मालिक वे ही होंगे? मूल प्रश्न यही है जिसकी तरफ जेपी ध्यान दिलाया करते थे और चुनावों को सस्ता किये जाने की बात कहा करते थे। जिस देश के 50 प्रतिशत लोग प्रति महीने अधिकतम 1286 रुपए प्रतिमाह खर्च करके अपना गुजारा चलाते हों वहां उनके प्रतिनिधि अरबपति किस प्रकार हो सकते हैं? यह बहुत गंभीर प्रश्न है जिससे इस देश की सभी राजनैतिक पार्टियां आंखें चुराती हैं और लोगों को भरमाने के नये–नये तरीके खोजती रहती हैं। आज नहीं तो कल हमें इस प्रश्न पर गंभीरतापूर्वक विचार करना ही होगा वरना हमारा लोकतन्त्र पूंजीपतियों के पास गिरवी रखा मिलेगा। यह बात बहुत कड़वी है मगर सच्ची है। सवाल यह नहीं है कि किस पार्टी का शासन है मगर असली सवाल यह है कि राजनैतिक पार्टियों की बागडोर किन लोगों के हाथ में है? यहां प्रश्न पूंजीपतियों के विरोध या समर्थन का नहीं बल्कि उस चुनाव प्रणाली की शुचिता और पारदर्शिता का है जिसकी मार्फत इस देश की जनता अपने प्रतिनिधियों को चुनकर उनके हाथ सत्ता की बागडोर सौंपती है। जब चुनावों में कोई आम सुविज्ञ नागरिक खड़ा होने की हिम्मत ही नहीं कर पायेगा और धनपति व धन्ना सेठ अपनी धन शक्ति के बूते पर जनमत को प्रभावित करने से सक्षम होने लगेंगे तो लोकतन्त्र को 'धन–तन्त्र' में बदलने से कौन रोकेगा? बेशक लोकतन्त्र में धन की भूमिका है मगर उसका बंटवारा आम जनता के बीच न्यायोचित रूप से करने के लिए शासन वचनबद्ध होता है। जब किसी देश की सकल विकास वृद्धि दर बढ़ती है तो आम जनता को उसका लाभ इस प्रकार पहुंचता है कि रोजगार की प्रचुरता के साथ राष्ट्रीय सम्पत्ति में भागीदारी बढ़ती जाती है। यह बाजारवाद का कहना है मगर गांधीवाद कहता है कि सरकारें स्वयं ऐसी व्यवस्था करें जिससे अमीर व गरीब के बीच की खाई पटे और यह कार्य गरीबों को सीधे सत्ता में भागीदारी देने से किया जाना चाहिए। अर्थात फैसले किये जाने के स्तर पर उनकी स्थायी भागीदारी होनी चाहिए। इसका सीधा सम्बन्ध सस्ते चुनावों से जाकर जुड़ता है। गांधीवाद इसी की वकालत करता है और कहता है कि सत्ता के शीर्ष पर मजदूर या किसान अथवा दलित की औलादों का बैठना तभी कारगर हो सकता है जबकि ये सब लोग पूरी तरह से आत्मविश्वास से भरे हों। यह आत्मविश्वास केवल सस्ती चुनाव प्रणाली ही दे सकती है। आज के राजनीतिज्ञों को तो शायद मालूम भी नहीं होगा अथवा वे मालूम भी नहीं करना चाहते कि जब भारत के प्रथम उपप्रधानमंत्री व गृहमन्त्री सरदार वल्लभ भाई पटेल की मृत्यु हुई तो उनकी कुल जमा सम्पत्ति मात्र 259 रुपए थी। हमारे पुराने सभी नेताओं ने अपनी पैतृक सम्पत्तियां देश व समाज के नाम कर दी थीं। उनके नामों की फेहरिस्त से यह पूरा सम्पादकीय भर जायेगा। मगर यह काम राजनैतिक दलों का है कि वे राजनीतिज्ञों को सदाचारी व राजनीति को स्वच्छ बनाये। यूरोप के स्कें‍डनेवियाई देशों जैसे नार्वे, स्वीडन आदि में यह व्यवस्था है कि जब कोई व्यक्ति राजनीति में आता है तो वह अपनी सारी निजी सम्पत्ति से खुद को बेदखल करके ही आता है और अपने परिवार की सम्पत्ति का ब्यौरा देकर आता है। क्या हम सपने में भी सोच सकते हैं ? हम तो बहुत गरीब देश हैं!

आज का राशी फल

मेष :– निराशा त्याग मन को आशावादी विचारों से सिंचित करें। कायरे के अत्याधिक बोझ से मन परेशान होगा। पुरानी समस्याओं को हल कर सुख की अनुभूति करेंगे। जीवन साथी के स्वास्य के प्रति सतर्क रहें।

बृषभ :– काफी सारे अवरोधित कायरें के हल होने के आसार बनेंगे। कार्यक्षेत्र में अपनी बौद्धिक क्षमता का लाभ उठाएंगे। किसी महत्वपूर्ण क्षेत्र में सगे–संबंधों का लाभ प्राप्त होगा।

मिथुन :– जीविका क्षेत्र में कार्यकुशलता का जौहर बिखेरेंगे। शिक्षा–प्रतियोगिता में समुचित परिश्रम के लिए मन केंद्रित होगा। महत्वहपूर्ण क्षेत्रों में उच्चस्तरीय लोगों का सहयोग मिलेगा।

कर्क :– महत्वपूर्ण कायरें के प्रति आलस्य न करें। शिक्षा–प्रतियोगिता में समुचित परिश्रम के लिए मन चिंतित होगा। परिजनों से भावनात्मक स्नेह प्राप्त होगा। आवेश में किये गये कार्य से हानि संभव।

सिंह :– किसी महत्वपूर्ण कार्य में कुछ कठिनाई का अभास होगा। किसी नये कार्य की सार्थकता हेतु मन प्रयत्नशील होगा। जीवन साथी के स्वास्य के प्रति सचेत रहें।

कन्या :– कुछ कठिनाइयों सेस मन नकारात्मकता से पभावित होगा। किसी महत्वपूर्ण कार्य की तैयारी में समुचित साधन–व्यवस्था के लिए मन चिंतित होगा। रोजगार में लाभकारी स्थिति रहेगी।

तुला :– कार्यकुशलता व बौद्धिक क्षमता से जीविका क्षेत्र सफलता अर्जित करेंगे। राजनीति से जुड़े लोगों की ब्यस्तता व क्रियाशीलता बढ़ेगी। किसी नये रिश्ते में प्रगाढ़ता बढ़ेगी।

वृश्चिक :– किसी महत्वपूर्ण कार्य में धनाभाव अवरोधक होगा किंतु प्रियजनों के सहयोग से समस्याएं हल होंगी। अच्छी आशाएं आप में क्रियाशीलता बढ़ाएंगी।

धनु :– सुंदर भावनात्मक अभिव्यक्ति से निकट संबंधों में अच्छी छबि बनेगी। नैतिक जिम्मेदारियों में आपकी सजगता काबिले तारीफ होगी। जीवन साथी के साथ मधुरता कायम रखें।

मकर :– भावनाओं से उद्वेलित मन से गलतियां स्वभाविक हैं। किसी नये कार्य के प्रति मन केंद्रित होगा। निकट संबंधों में किसी की कटु वाणी मन को दुखित करेगी।

कुंभ :– कुछ नई जिम्मेदारियां मन पर दबाव बनाएंगी। अच्छी व्यवहार कुशलता से समाजिक मान–मर्यादा में वृद्धि होगी। शासन–सत्ता से जुड़े लोगों को लाभ के अवसर प्राप्त होंगे।

मीन :– जीवन की कठिनाइयों के कारण मन में हीन भावना न आने दें। अपनी क्षमताओ पर भरोसा रखें। पूर्वाग्रहवश मन में संबंधों के प्रति नकारात्मक को न पालें।

जी-20 का भारत और यथार्थ

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की छवि चमकाने का नया मौका दिन–ब–दिन करीब आता जा रहा है। साथ ही यह भी पता चल रहा है कि इसके लिये किस बड़े पैमाने पर पैसा खर्च किया जा रहा है। 9 और 10 सितम्बर को दिल्ली में आयोजित जी–20 के दौरान इवेंटबाजी में सिद्धहस्त मोदी भारत की एक ऐसी चमकदार तस्वीर पेश करने जा रहे हैं जिसके पीछे देश की बदहाली का अंधेरा छिप जाये। वैश्विक नेताओं के सामने वे खुद को एक उदार, लोकतांत्रिक तथा समतावादी नेता साबित करने की कोशिश करने जा रहे हैं ताकि पिछले नौ वर्षों के दौरान उनके सारे लोकतंत्र विरोधी कृत्यों पर पर्दा पड़ जाये। वे खुद और साथ ही कमजोर होती हुई उनकी भारतीय जनता पार्टी इस अंतरराष्ट्रीय आयोजन का भरपूर लाभ आंतरिक राजनीति में उठाने पर आमादा दिखलाई पड़ रही है। इसके लिये एक तरफ आयोजन स्थलों को बेतहाशा सजाया–संवारा जा रहा है, तो दूसरी तरफ मोदी इस आशय के बयान दे रहे हैं हैं मानों उन्होंने मुल्क को जन्नत बना दिया हो। पहले बात करें साज–सज्जा की। दिल्ली के हृदय स्थल पर बने प्रगति मैदान में भारत मंडपम के नाम से भव्य आयोजन स्थल बनकर लगभग तैयार हो चुका है। 26 देशों के राष्ट्राध्यक्ष यहां भारत के आध्यात्मिक–सांस्कृतिक गौरव और

परम्परा का प्रस्तुतिकरण देखेंगे। बाहरी मुल्कों से आने वाले जी–20 के संख्या में बहुत कम लेकिन बेहद प्रभावशाली राष्ट्राध्यक्षों को दिखलाने और आत्मसंतुष्टि के लिये मंडप के अलग–अलग हिस्सों में भारत का केन्द्रीय भाव श्वसुधैव कुटुम्बकम्श अभिव्यक्त हो रहा है।

सांस्कृतिक वीथिका में 29 भाषाओं में बतलाया गया है कि श्संसार एक परिवार है।श हिन्दू धर्म से जुड़े कई प्रतीक चिन्ह भी यहां हैं– मोर पंख है तो शंख भी। यहां पंचतत्व है, सूर्य शक्ति है, योग है और वेद की पाण्डुलिपि भी। यानी वह सब कुछ जो प्राचीन भारत की देन है। हालांकि इस सम्पूर्ण वास्तु के दौरान यह भी ध्यान रखा गया है कि वर्तमान सत्ता को इन तमाम उपलब्धियों एवं अर्जित विकास का श्रेय देना है। श्जीरो से इसरोश इसी प्रयास की एक कड़ी है। तीन दर्जन सभा कक्षों वाली चार मंजिला इमारत में 14 हजार लोगों के बैठने तथा 5500 कारों की पार्किंग के लिये जगह है। शंखनुमा झूमर के साथ इतना आलीशान सभा कक्ष कि कोई देश की गरीबी का अंदाजा भी न लगा सके। इसके साथ ही बात करनी जरूरी है उस साक्षात्कार की जो प्रधानमंत्री ने जी–20 सम्मेलन के अवसर पर एक समाचार एजेंसी को दिया है। उन्होंने इसमें बताया है कि पहले भारत को एक अरब भूखे लोगों का देश माना जाता था परन्तु अब वह एक अरब महत्वाकांक्षी दिमाग तथा 2 अरब कुशल हाथों में रोजगार का देश बन गया है। भारत के जल्दी ही दुनिया की तीसरी बड़ी आर्थिक शक्ति बन जाने का दावा दोहराते हुए मोदी साहब बतलाते हैं कि 2047 तक, यानी आजादी के सौ साल पूरे होने पर देश एक विकसित राष्ट्र बन जायेगा। विकास के लिये 4–डी का फार्मूला देते हुए मोदी यह भी बताते हैं कि अब दुनिया का भारत को देखने का नजरिया बदल गया है। डेमोक्रेसी, डेमोग्राफी और डायवर्सिटी के साथ डेवलपमेंट शब्द को जोड़ते हुए प्रधानमंत्री ने देशवासियों को आश्वस्त किया है कि भारत का 1000 वर्षों के विकास का रास्ता प्रशस्त हो चुका है। एक अच्छे समाज सुधारक की तरह उन्होंने भ्रष्टाचार, जातिवाद एवं साम्प्रदायिकता से दूर रहने की सलाह दी है। इसके साथ ही उन्होंने देशी व अंतरराष्ट्रीय अर्थशास्त्र पर अपनी गहरी पकड़ व अनुभव के बल पर छोटे विकासशील देशों को सलाह भी दी है कि वे कर्जों के जाल में न फंसें। इसके अलावा भी उन्होंने अनेक बातें कही हैं जो भारत के नागरिक आधारित मॉडल, फेक न्यूज के खतरे, कोरोना काल में भारत द्वारा 150 देशों को टीके व दवाइयां देने और सर्वजन हिताय सर्वजन सुखाय से सम्बन्धित है। अगर मोदी के उपरोक्त साक्षात्कार के अलग–अलग हिस्सों पर विचार करें तो साफ है कि भारत में कम से कम ऐसा कुछ भी होता हुआ नहीं दिख रहा है। देश में रोजगार की स्थिति सर्वज्ञात है। देश की विकास दर निम्न स्तर पर है। देश में लोकतंत्र के जितने खराब दिन अभी चल रहे हैं, वैसे नागरिकों ने कभी भी नहीं देखे। मानवाधिकार कानून ताक पर रख दिये गये हैं, सारी संवैधानिक संस्थाएं इतनी कमजोर कर दी गई हैं कि वे एक तरह से सरकार की हां में हां मिला रही हैं। सत्ता से सवाल पूछने वाले जेलों में डाल दिये गये हैं। लोकतंत्र की जननी होने का दावा करने वाले मोदी का 9 साल का कार्यकाल नागरिकों के बुनियादी हकों और समावेशी संस्कृति को मटियामेट कर चुका है।

जातिवाद और साम्प्रदायिकता का आलम यह है कि दलित महिलाओं से बलात्कार होते हैं, आदिवासियों पर पेशाब की जाती है तथा ट्रेन में बाकायदा शिनाख्त करते हुए मुस्लिमों को गोलियों से भुना है।

संविधान बदलने की बात होती है और विपक्ष मुक्त भारत बनाया जा रहा है।आधी से ज्यादा दिल्ली को ठहराकर या बन्द कराकर मोदी स्वयं को बाहरी लोगों के सामने देश का सबसे शक्तिशाली और देशवासियों के समक्ष एक लोकप्रिय वैश्विक नेता साबित करना चाहते हैं। आंतरिक राजनीति में अपनी कमजोर होती स्थिति को सुधारने के लिये मोदी बड़े पैमाने पर खर्च कर रहे हैं वरना नयी दिल्ली और उसके आसपास ऐसे सैकड़ों स्थल हैं जहां ये आयोजन सादगीपूर्ण ढंग से हो सकते हैं। दरअसल यह मोदी द्वारा वैश्विक नेताओं के समक्ष प्रस्तुतिकरण के लिये तैयार किया गया भारत है। असली हिन्दुस्तान बिलकुल अलग है– बदहाल, विपन्न, विभाजित और पिछड़ता हुआ।

डर के साये में जिनपिंग

दिल्ली में जी–20 शिखर सम्मेलन में रूस के राष्ट्रपति ब्लादिमीर पुतिन के नहीं आने की पुष्टि तो पहले ही हो चुकी थी। पुतिन तो प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से फोन पर बातचीत के दौरान अपने न आने पर खेद जता चुके हैं। वे अपनी जगह रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लाबरो को भेज रहे हैं। चीन ने भी आधिकारिक बयान में साफ कर दिया है कि राष्ट्रपति शी जिनपिंग भारत नहीं जा रहे बल्कि उनकी जगह चीन के प्रधानमंत्री ली क्यांग शिखर सम्मेलन में चीन का प्रतिनिधित्व करेंगे। ब्लादिमीर पुतिन के न आने की वजह यूक्रेन–रूस युद्ध और घरेलू परिस्थितियां हैं। चीन के राष्ट्रपति जिनपिंग का स्वयं न आना भारत के लिए कोई आश्चर्जनक बात नहीं है। 2013 में राष्ट्रपति के रूप में कार्यभार सम्भालने के बाद जिनपिंग ने 2021 में रोम जी–20 के अलावा हर जी–20 सम्मेलन में व्यक्तिगत और आभासी सम्मेलन में भाग लिया है, जब चीन कोरोना महामारी की चपेट में था। पिछले वर्ष जिनपिंग ने बाली जी–20 शिखर सम्मेलन में भाग लिया था। कुछ दिन पहले ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की दक्षिण अफ्रीका के जोहानिसबर्ग में घब्रिक्स शिखर सम्मेलन के मौके पर जिनपिंग से बात भी हुई थी।

सवाल यह है कि जिनपिंग भारत क्यों नहीं आ रहे। 1980 के दशक में संबंधों के सामान्य होने के बाद से भारत और चीन के रिश्ते निम्न स्तर पर हैं। 28 अगस्त को चीन ने अरुणाचल प्रदेश, आक्साईचिन और दक्षिणी चीन सागर को चीनी क्षेत्र में दिखाया गया,ध जिसका भारत ही नहीं बल्कि मलेशिया और फिलीपींस ने भी कड़ा विरोध किया था। यह स्पष्ट है कि क्षेत्रीय विवादों के बीच एक नया मानचित्र जारी कर घविवादों को अधिक जटिल बना दिया है। 2019 में भारत ने जब जम्मू–कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाया और जम्मू–कश्मीर तथा लद्दाख को केन्द्र शासित प्रदेश बना डाला तब भी चीन ने एक नक्शा जारी कर विवाद खड़ा किया था। चीन ने भारत के साथ संबंधों में विश्वास पैदा करने की कोई कोशिश नहीं की। चीन ने कभी भी अपने पड़ोसियों के प्रति संवेदनशीलता नहीं दिखाई। इस तरह मेल–मिलाप की सम्भावनाएं भी क्षीण होती गई। इस समय चीन की अर्थव्यवस्था ध्वस्त हो रही है और वहां बेरोजगारी बढ़ गई है और एक तरह से मंदी छा चुकी है और आर्थिक गतिविधियां ठप्प हो कर रह गई हैं।भारत में जी–20 शिखर सम्मेलन को चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग और अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन के बीच एक बैठक के संभावित अवसर के रूप में भी देखा गया है।

बाइडेन ने इस सम्मेलन में अपनी उपस्थिति की पुष्टि की है। अमेरिका इन दिनों चीन के साथ बिगड़ते रिश्तों को स्थिर करने की कोशिश कर रहा है। हालांकि, चीन ने शी जिनपिंग की योजनाओं को लेकर कोई टिप्पणी नहीं की है लेकिन विश्लेषकों ने अनुमान लगाया कि बीजिंग को लगता है कि भारत–चीन तनाव के कारण शी जिनपिंग को जी–20 में विशेष रूप से गर्मजोशी से स्वागत मिलने की संभावना नहीं है। कई यूरोपीय देश यूक्रेन पर आक्रमण के बाद रूस को चीन के समर्थन को लेकर सावधान हैं। वहीं दूसरी ओर अमेरिका जापान और दक्षिण कोरिया के साथ चीन विरोधी खेमा बना रहा है। ऐसे में उन्होंने जी–20 से दूरी बनाने का फैसला खुद की इज्जत बचाने के लिए किया होगा।जिनपिंग की जी–20 सम्मेलन से दूरी इस बात की ओर संकेत करती है कि कोरोना वायरस से लेकर साऊथ चाईना सी और ताइवान समेत कई मसलों पर चीन घिरा हुआ है। चीन अच्छी तरह से जानता है कि दुनिया उसके देश से खुश नहीं है। जिनपिंग कहीं न कहीं कई देशों से होने वाली घेराबंदी से डरे हुए हैं। चीन पूरी दुनिया के सामने बेनकाब हो चुका है। चीन कीध विस्तारवादी नीति के अलावा चीन का घमंड जिनपिंग के फैसले के बताने के लिए काफी है। चीन को इस बात का घमंड है कि वह दुनिया में सबसे शक्तिशाली है। चीन को इस बात से भी परेशानी थी कि जी–20 की बैठकें जम्मू–कश्मीर और अरुणाचल में क्यों की जा रही हैं। गलवान झड़प के बाद सीमा पर गतिरोध के बीच भारत ने जिस तरह से सीमा पर चीन का कड़ा प्रतिरोध किध्या उसकी चीन को भी उम्मीद नहीं थी। जी–20 सम्मेलन के जरिये भारत दुनिया में एक नई शक्ति के तौर पर उभर रहा है। दुनिया के देश भारत का दमखम देख रहे हैं। चीन को भी इस बात का अहसास है कि अब भारत 1962 वाला भारत नहीं है, बल्कि 2023 वाला भारत है। चीन चाह कर भी भारत कोघ्एक बहुपक्षीय मंच का नेतृत्व करने से नहीं रोक सकता। यही कारण है कि जिनपिंग ने नई दिल्ली की यात्रा टाल दी है।

देर से जागे

हाल के दिनों में हिमाचल और उत्तराखंड में भारी बारिश, भूस्खलन, बादल फटने और बाढ़ की विभीषिका से जो जन–धन की हानि हुई, उसे केंद्र व राज्यों को एक सबक के रूप में लेना चाहिए। जाहिर है कि इन हिमालयी राज्यों में हिल स्टेशनों की वहन क्षमता को नजरअंदाज करके बिना मास्टर प्लान के जो निर्माण हुआ, वही इस आपदा की वजह बना। सत्ताधीशों व स्थानीय प्रशासन ने इस अंधाधुंध निर्माण की अनदेखी की है, जिससे इन हिल स्टेशनों के अस्तित्व पर ही संकट के बादल मंडराने लगे। इस तबाही के बाद ही देश की शीर्ष अदालत ने केंद्र सरकार से कहा था कि वह हिमालयी राज्यों में वहन क्षमता के संबंध में निर्देश पारित करने के लिये आगे का रास्ता सुझाए। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट ने हाल के दिनों में अतिवृष्टि से शिमला और जोशीमठ में भूस्खलन की घटनाओं के मद्देनजर हिमालयी क्षेत्रों में वहन क्षमता और मास्टर प्लान का आकलन करने के लिये एक विशेषज्ञ पैनल गठित करने का संकेत दिया था। इस विषय की गंभीरता को देखते हुए मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की अगुवाई वाली पीठ ने कहा था कि उसका विचार तीन विशेषज्ञ संस्थानों को इस मकसद के लिये एक–एक विशेषज्ञ को नामित करने के लिये कहने का है। कोर्ट के इसी मौखिक निर्देश के जवाब में केंद्र सरकार ने हालिया हलफनामा दाखिल किया है। इस हलफनामे के मुताबिक, केंद्र चाहता है कि हिमालय क्षेत्र की वहन क्षमता के आकलन के लिये समयबद्ध ढंग से कार्ययोजना को मूर्त रूप दिया जाये। दरअसल, केंद्र सरकार से सुप्रीम कोर्ट ने सभी 13 हिमालयी राज्यों व केंद्रशासित प्रदेशों को इस संबंध में निर्देश देने का आग्रह किया। केंद्र सरकार ने अपने हलफनामे में कहा कि इन राज्यों को प्रतिष्ठित जीबी पंत राष्ट्रीय हिमालयी पर्यावरण संस्थान द्वारा तैयार दिशा–निर्देशों के अनुसार वहन क्षमता के मूल्यांकन के लिये उठाये गये कदमों की रिपोर्ट और एक्शन प्लान समयबद्ध तरीके से लागू करने का निर्देश दिया जाये।दरअसल, यहां वहन क्षमता से अभिप्राय है इन हिमालयी शहरों की क्षमता के अनुसार जनसंख्या के आकार का निर्धारण करना, जो कि क्षेत्र के पारिस्थितिकीय तंत्र को नुकसान पहुंचाये बिना अस्तित्व में रह सकती है। दरअसल, पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा सुप्रीम कोर्ट में दायर हलफनामे में इस बात का उल्लेख है कि हरेक हिल स्टेशन में स्थानीय अधिकारियों की सहायता से उन तमाम तथ्यात्मक पहलुओं की पहचान की जाए और उससे जुड़े सभी आंकड़े जुटाए जाएं। मंत्रालय का कहना था कि इन हिमालयी राज्यों द्वारा तैयार की गयी वहन क्षमता अध्ययन की रिपोर्ट का मूल्यांकन जीबी पंत राष्ट्रीय हिमालयी पर्यावरण संस्थान के निदेशक की अध्यक्षता वाली एक तकनीकी समिति द्वारा किया जा सकता है। उल्लेखनीय है कि संस्थान विगत में मनाली, मैक्लोडगंज व मसूरी के लिये किये गए एक विशिष्ट वहन क्षमता अध्ययन में भागीदार रहा है। इस बाबत मंत्रालय का सुझाव रहा है कि इस अभियान में राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान, राष्ट्रीय जल विज्ञान संस्थान, भारतीय रिमोट सेंसिंग संस्थान, राष्ट्रीय पर्यावरण इंजीनियरिंग अनुसंधान संस्थान, वाडिया इंस्टीट्यूट ऑफ हिमालयन जियोलॉजी,भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद, भारतीय वन्यजीव संस्थान तथा स्कूल ऑफ प्लानिंग एंड आर्किटेक्चर के निदेशकों या विशेषज्ञों को समिति में शामिल किया जा सकता है। निस्संदेह, इस अध्ययन को प्रमाणिक व व्यावहारिक बनाने के लिये राज्यों के आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण विभाग के प्रतिनिधि, केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड व केंद्रीय भूजल बोर्ड के नामित व्यक्तियों की महत्वपूर्ण भूमिका हो सकती है। तंत्र की काहिली का आलम देखिये कि जीबी पंत संस्थान ने इस बाबत दिशा–निर्देश तैयार करके तीस जनवरी 2020 को सभी तेरह हिमालयी राज्यों व केंद्रशासित प्रदेशों को भेज दिये थे, लेकिन इस बाबत कोई कार्रवाई नहीं हुई। विडंबना ही है कि 19 मई, 2023 में मानसून से पहले भी इन राज्यों को स्मरण पत्र भेजा गया, लेकिन फिर भी कोई कार्रवाई नहीं हुई। यहां यह भी महत्वपूर्ण है कि इन विशेषज्ञ संस्थानों की सिफारिशों को सहज–सरल रूप दिया जाए ताकि उन पर व्यवहार में सुगमता से अमल किया जा सके। लोगों की आर्थिक क्षमताओं व सीमाओं को लेकर मानवीय व संवेदनशील दृष्टिकोण अपनाया जा सके।

निराधार मुद्दों के भरोसे विपक्ष, जुमले के अलावा उसके पास और है क्या?

दिल्ली का रास्ता लखनऊ से होकर जाता है' भारतीय राजनीति की एक बड़ी लोकप्रिय लोकोक्ति है। इसका आधार लोकसभा की 543 में से 80 सीटों का अकेले उत्तर प्रदेश में होना है। यानी जिसने उत्तर प्रदेश का किला जीत लिया, देश पर शासन करने की कुंजी भी उसके हाथ ही लगती है। अधिकांश चुनाव इसी रुझान का बखान करते हैं। वर्ष 2014 के आम चुनाव में भाजपा को मिलीं कुल सीटों में 73 केवल उत्तर प्रदेश से मिली थीं। फिर 2019 के चुनाव में सपा–बसपा के गठजोड़ के चलते भाजपा की सीटें कुछ घटीं जरूर, पर तब भी वह राज्य की 64 सीटें जीतने में सफल रही। अब भाजपा ने यहां की सभी 80 सीटें जीतने का लक्ष्य रखा है। बसपा प्रमुख मायावती ने चुनावों में अकेले उतरने का फैसला किया है। यह विपक्षी एकता की कोशिशों में लगे आइएनडीआइए के लिए झटका है। कांग्रेस का प्रदेश में सीमित जनाधार है। यदि सपा उससे मिलकर चुनाव लड़ेगी, तो उसे कोई फायदा होगा नहीं। उलटे अपनी कुछ सीटें कांग्रेस को देनी पड़ेंगी। सपा ने 2017 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस से गठबंधन किया तो उसे 47 सीटें मिली थीं। पिछले लोकसभा चुनाव में बसपा से गठबंधन किया तो मात्र पांच सीटें मिलीं। दोनों बार सपा को गठबंधन से लाभ नहीं मिला। ऐसे में क्या वह आइएनडीआइए से पीछे हट सकती है? सपा की दुविधा और बसपा की 'एकला–चलो' वाली रणनीति का लाभ भाजपा उठाना चाहेगी। राज्य में भाजपा की 'डबल–इंजन' सरकार है। यहां मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कानून एवं व्यवस्था के मोर्चे पर कड़े कदम उठाए हैं। कोरोना काल में कुशल नेतृत्व दिया। गरीबों को लंबे समय तक मुफ्त राशन उपलब्ध कराया और मोदी सरकार की गरीब कल्याण योजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू किया है। विपक्ष के पास कोई ठोस मुद्दा नहीं है। राहुल गांधी अदाणी के नाम पर निर्भर हैं। अदाणी के मुद्दे से गरीबों को क्या फर्क पड़ता है? गरीबों को घर बैठे राशन, पांच लाख रुपये का स्वास्थ्य बीमा, आवास और शौचालय, उज्ज्वला गैस सिलेंडर मिला है। यूरिया की मारामारी नहीं है। इससे भी बढ़कर उनके जनधन खाते में बिना बिचौलियों के पैसे आ रहे हैं। वे अदाणी की चिंता क्यों करें? विपक्ष का दूसरा मुद्दा है कि देश की एकता, लोकतंत्र और संविधान खतरे में है। इस आरोप के उलट जनता ने यही महसूस किया है कि मोदी हमेशा 140 करोड़ भारतवासियों की बात करते हैं और कल्याणकारी नीतियों में कोई भेदभाव नहीं करते। यदि लोकतंत्र एवं संविधान खतरे में होता तो न विपक्ष इस प्रकार एकजुट हो पाता और न ही उसे प्रधानमंत्री को अपशब्द कहने की आजादी होती। लोकतंत्र और संविधान पर खतरे की मिसाल तो कांग्रेस ने आपातकाल के दौरान संविधान को ताक पर रखकर विरोधियों को जेल में डालकर और प्रेस की आजादी पर अंकुश लगाकर कायम की थी। जबकि आज विपक्ष को विरोध की आजादी है। प्रेस के पास मोदी और सरकार की आलोचना की गुंजाइश है। जनता को सरकारें बनाने–हटाने का अधिकार है। सार्वजनिक विमर्श में मोदी, भाजपा और सरकार के प्रति असहमति, आलोचना और आरोपों की बौछार देखकर नहीं लगता कि देश में लोकतंत्र, संविधान और प्रेस की आजादी पर कोई खतरा है। लोकतंत्र में सशक्त विपक्ष की अपनी महत्ता है, पर क्या इसकी जिम्मेदारी भी मोदी की है? विपक्ष क्या कर रहा है? कांग्रेस क्यों सिमट रही है? यूपी में एक लोकसभा और सात विधानसभा सीटें जीतने वाली तथा कुछ राज्यों में सिमटी कांग्रेस क्या वास्तव में राष्ट्रीय पार्टी है? क्या पिछले विधानसभा चुनाव में एक सीट जीतने वाली बसपा राष्ट्रीय पार्टी है? सपा से उम्मीद थी, मगर अखिलेश यादव 'ट्विटर–पालिटिक्स' से आगे निकल नहीं पाए।

राजा साहब पोखरा पर भू माफिया द्वारा कब्जे को लेकर रामलीला समिति व हिंदूवादी संगठन ने जिलाधिकारी से की मुलाकात

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। दशहरा पर्व पर राजा साहब पोखरा पर रावण दहन स्थल व राम रावण युद्ध स्थल पर भूमाफियाओ द्वारा हो रहे जमीन कब्जा करने के संबंध में पंडित जी रामलीला समिति व गोसाई जी रामलीला समिति व हिंदूवादी संगठनों ने जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक से मिलकर ज्ञापन देकर उक्त स्थल खाली कराने की मांग किया गया।

इस मामले में जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्यवाही करने का आदेश दिया है।

राजा जौनपुर ने भी कार्यवाही करने के लिए जिलाधिकारी को पत्र लिखा। पूर्वांचल व जौनपुर जनपद का ऐतिहासिक दशहरा मेला राम रावण युद्ध रावण दहन राजा साहब पोखरा पर आज सैकड़ो वर्ष से होती चली आ रही हैं उसदिन मेला में कई हजार लोग परिवार के साथ मेला देखने आते हैं और राजा जौनपुर की ऐतिहासिक सवारी भी धूमधाम से निकलती हैं जो राजा साहब पोखरा पर जाकर खत्म होती हैं।

जमीन कब्जा हो जाने से ऐतिहासिक दशहरा मेला पर ग्रहण लग जायेगा और जमीन कब्जा होने से हिंदूवादी संगठनों में रोष व्याप्त है। उक्त अवसर पर भाजपा नेता श्याम मोहन अग्रवाल, विश्व हिंदू परिषद के जिलाध्यक्ष विमल सिंह, भाजपा नेता प्रमोद गुप्ता, रामलीला समिति के रामकुमार शाहू, भाजपा नेता सुनील सेठ भाजपा नेता बच्चा भइया, व्यपार मंडल के अध्यक्ष राधारमण जायसवाल, भाजपा नेता रूसी भाई, भाजपा नेता महेंद्र गुप्ता, मोतीलाल यादव, सुरेंद्र प्रजापति, पंकज श्रीवास्तव, उमेश चन्द श्रीवास्तव आदि लोग मौजूद रहे।

विशेष सचिव, पशुधन विभाग देवेंद्र कुमार पाडेय ने किया समीक्षा बैठक

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। विशेष सचिव, पशुधन विभाग देवेंद्र कुमार पांडेय की अध्यक्षता में जनपद में गोवंश में लम्पी बीमारी के रोकथाम हेतु किए जा रहे कार्यों की समीक्षा बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में पशु चिकित्सा अधिकारियों के साथ संपन्न हुई।

बैठक में विशेष सचिव के द्वारा लम्पी वायरस के प्रसार को रोकने के संबंध में आवश्यक जानकारी देते हुए कहा कि लंपी बीमारी को बढ़ने न दे। लम्पी बीमारी के प्रसार को रोकने हेतु पैम्पलेट के माध्यम से लोगो को जागरूक किया जाए। उन्होंने निर्देशित किया कि गो–आश्रय स्थलों में पशुओं के इलाज के लिए दवा उपलब्ध रहे, उनका नियमित टीकाकरण कराया जाए। पर्याप्त मात्रा में हरे चारे, भूसे, पानी की उपलब्धता के भी निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि 30 नवम्बर 2023 तक एक अभियान चलाकर सभी निराश्रित गोवंश को गो–आश्रय स्थल में भेजे।

विशेष सचिव ने मुख्य विकास अधिकारी साईं तेजा सीलम को निर्देश दिया कि जनपद में और अधिक गो–आश्रय स्थल की आवश्यकता हो तो प्रस्ताव भेजें। विशेष सचिव के द्वारा सभी पशु चिकित्सा अधिकारियों को निर्देश दिया गया कि गोवंशों का अच्छे से इलाज किया जाए।

उन्होंने कहा कि पशुओं में फैल रहे लम्पी रोग पर काबू पाने के लिए मिशन मोड में काम करें तथा पशुओं को इस बीमारी से बचाने के लिए पूर्ण सहजता एवं संवेदनशीलता के साथ हर सम्भव प्रयास करे। उन्होंने समस्त पशुचिकित्साधिकारी को निर्देशित किया कि गो–आश्रय स्थलों का प्रतिदिन निरीक्षण किया जाए। इलाज के अभाव में किसी भी गोवंश की मृत्यु न हो। गोवंशो के इलाज में पारंपरिक व देसी पद्धति अपनाने पर भी जोर दिया जाए।

इस अवसर पर सहायक निदेशक आर0के0 सिंह, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर परमहंस राय सहित अन्य पशु चिकित्साधिकारी गण उपस्थित रहे।

अब देश में इंडिया गठबंधन भाजपा को हराने जा रहा है : लकी यादव

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देश पर विवेक यादव के नेतृत्व में चल रहे लोकतंत्र एवं संविधान बचाओ साईकिल यात्रा सातवें दिन मंल्हनी विधानसभा क्षेत्र के मंल्हनी बजार से विधायक लकी यादव के अगुवाई में रवाना हुआ। साईकिल यात्रियों को संबोधित करते हुए विधायक लकी यादव ने कहा है कि देश परिवर्तन चाहता है घोसी की जनता ने बड़ा और ऐतिहासिक फैसला सुनाया है अब देश में इंडिया गठबंधन भाजपा को हराने जा रहा है उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार की नीतियों और फैसलों से किसान, नौजवान, मजदूर और गरीब नाराज हैं। भाजपा ने गरीबों की उम्मीदों को तोड़ा है। भाजपा गरीबों को गुलाम बनाये रखना चाहती है।

कहा कि भाजपा सरकार के पास बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार का कोई जवाब नहीं है पूरे देश की जनता को लूटा। अब चुनाव सामने देखकर गैस सिलेण्डर की कीमतों में सिर्फ 200 रुपये की कमी की है। डीजल–पेट्रोल समेत खाने पीने की चीजें तेल और दाल की कीमतों में महंगाई आसमान पर है। उन्होंने कहा कि यह सरकार मध्यम वर्ग और गरीबों की जेब काट कर पूंजीपतियों की तिजोरी भर रही है। गरीबों को धोखा दे रही है।कहा कि भाजपा सरकार ने जनता से झूठे वादे किये हैं। आज पढ़े–लिखे नौजवानों के हाथ में नौकरी और रोजगार नहीं है। गांवों में बड़े पैमाने पर नौजवान बेरोजगार हैं। भाजपा सरकार बेरोजगारी पर झूठे आंकड़े देती है।

वहीं निवर्तमान जिलाअध्यक्ष डां अवधनाथ पाल ने कहा कि भाजपा सरकार ने प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाओं को बर्बाद कर दिया है। कानून व्यवस्था नाम की चीज नहीं है सरकार ने एक भी सरकारी अस्पताल नहीं बनाया। प्रदेश में हर दिन हत्या, लूट, छेड़खानी की घटनाएं हो रही है। अपराधियों और दबंगों कानून का डर नहीं है। कहा कि भाजपा सरकार लोकतंत्र, संविधान को खत्म कर रही है।

घोसी उपचुनाव को लेकर कहा कि जनता समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी सुधाकर सिंह को ऐतिहासिक वोटों से जिता कर यह सन्देश दिया है कि भाजपा सरकार को 2024 मे इस देश से बिदाई कर देगा ।साईकिल यात्रा मे मुख्य रुप से निवर्तमान महासचिव अखण्ड प्रताप यादव हिरालाल विश्कर्मा,राजेन्द्र टाईगर,राहुल त्रिपाठी, सोचनराम विश्कर्मा,रामधारी पाल,रामयश यादव,भारत यादव,अनुपमा पटेल, आशीष, नितिन सैफई, आशोक नायक, प्रमोद यादव,सोनू यादव,संन्दीप यादव, शरद यादव,पवन यादव,महाबीर,राहुल यादव, कल्लू यादव,संघर्ष, बच्चा,अनील दूबे,कपिल यादव, हेमंत,आरबी यादव आदि लोग यात्रा में सम्मिलित रहें ।

साक्षरता की ओर बढ़ते जायें, भारत को शिक्षित व सशक्त बनायें।

जागरूक हों सब नर और नारी, शिक्षित होने की सब करें तैयारी।

– मनीष सिंह
ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। 8 सितम्बर अन्तर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस जो कि पहली बार 1966 में मनाया गया जिसका उद्देश्य साक्षरता के महत्व को प्रत्येक व्यक्ति समाज व पूर्ण व्यक्तित्व को बताना है। प्रत्येक वर्ष की तरह इस बार भी एस0के0डी0 एकेडमी की सभी शाखाओं में साक्षरता दिवस बच्चों ने मनाया इसमें बच्चों को साक्षर बनाने के साथ–साथ बालिकाओं व महिलाओं को साक्षर करने पर जोर दिया गया। बच्चों ने स्लोगन लिखे, जिसमें बताया कि पढ़ाई न केवल ज्ञान का स्रोत है बल्कि यह हमारे जीवन को भी सुंदरता व समृद्धि से भर देता है। साथ ही बच्चो ने कविता पाठ किया एवं साक्षरता विषय पर पोस्टर बना कर प्रदर्शन किया एवं भाषण के माध्यम से ये दर्शाया कि समाज को साक्षर बनाने से संपूर्ण समाज एवं सभी तरफ कैसे हम परिवर्तन ला सकते हैं। इस अवसर पर एस0के0डी0 एकेडमी के निदेशक श्री मनीष सिंह जी ने सम्बोधित करते हुये कहा कि शिक्षा समृद्धि की कुंजी है और वो आत्मविश्वास की ऊँचाइयों की ओर बढ़ाने का एक मानवीय उपकरण है क्योंकि शिक्षा न केवल एक अधिकार है बल्कि यह एक समाज की साक्षरता और समृद्धि की मूल नींव भी है। हम सभी लोग अच्छे कार्य करें एव हम जो भी कार्य करें पूरे लगन एवं आत्मविश्वास से। सभी छात्रों को समाज को शिक्षा के माध्यम से बेहतर बनाने का मिल कर प्रयास करना चाहिए।

सफाई कार्मिकों की बायोमैट्रिक उपस्थिति आदेश, न्यायालय की मंशा के विपरीत

संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश पंचायतीराज सफाई कर्मचारी संघ ने निदेशक पंचायतीराज, मिशन निदेशक स्वच्छ भारत मिशन द्वारा सफाई कर्मचारियों के लिए बायोमैट्रिक आदेश न्यायालय की मंशा के विपरीत बताया है। संघ के प्रदेश अध्यक्ष राजकुमार कनौजिया के अनुसार जब उच्च् न्यायालय द्वारा ग्राम पंचायत कार्मिकों को ग्राम प्रधान के अधीन माना गया है तो इस स्थिति में बायोमैट्रिक उपस्थित का कोई मतलब नही है। उनके अनुसार पिछले 14 वर्षो से लगभग 70 प्रतिशत ग्राम पंचायत सफाई कर्मी राजस्व ग्रामों जगह विभिन्न तहसील, ब्लाक और जिलाधिकारियों में सम्बंध्द्ध है। यही नही ग्राम पंचायतों में कितने समय कार्यालय खुलेगा किस समय बायोमेट्रिक उपस्थित दर्ज कराकर सफाई कर्मी डियुटी करेगा इसका भी कोई निश्चित समय नही है।

अगर इसे जबरन लागू किया गया तो लगभग 70 प्रतिशत की संख्या में सम्बंद्ध सफाई कर्मचारी बायोमैट्रिक उपस्थित दर्ज राने में असमर्थ होगें।

बायोमैट्रिक उपस्थित के विरोध करते हुए राजकुमार ने निदेशक पंचायती राज को अपने द्वारा उच्चा न्यायालय में दाखिल याचिका 488ध2017 का हवाला देते हुए कहा कि जब उच्च न्यायालय ने उपस्थिति और अवकाश के लिए सफाई कार्मिकों को प्रधान के अधीन माना है तो इस स्थिति में बायोमैट्रिक उपस्थिति का आदेश औचित्यहीन है। उन्होंने कहा कि इसे लागू करने से पूर्व लगभग 70 प्रतिशत कार्मिक जो पिछले 14 वर्षो से तहसील, ब्लाक और जिलाधिकारियों में सम्बद्ध है उन्हें सम्बंधित राजस्व ग्रामों में तैनात किया जाए।

केबीसी में पहुंची जौनपुर की अर्चना उपाध्याय

बिग बी के सवालों का दिया जवाब, परिवार में

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर. लहरों से डरकर नौका पार नहीं होती, कोशिश करने वालों की हार नहीं होती... सदी के महानायक अमिताभ बच्चन को यह पंक्तियां कहते हुए आपने कई बार सुना होगा. इन्हीं पंक्तियों को आत्मसात करते हुए जौनपुर की बेटी अर्चना राहुल उपाध्याय ने अपने ज्ञान की बदौलत सुपरस्टार अमिताभ बच्चन के दुनियाभर में मशहूर रियलिटी शो 'कौन बनेगा करोड़पति' में जगह बनाने में कामयाब रहीं. उन्होंने शो तक पहुंचने के लिए कई परीक्षाएं दी और अंत में फास्टेस्ट फिंगर फर्स्ट में सबसे तेज उत्तर देकर वह हॉटशीट पर पहुंचने में कामयाब हो गई. अर्चना ने बताया कि वह 2021 से केबीसी में जाने के लिए प्रयासरत थी. आखिरकर इन 3 वर्षों में मेहनत रंग लाई और मैं शो में पहुंचने में कामयाब हो गई. उन्होंने अपनी इस उपलब्धि का श्रेय अपने पति डॉ. राहुल उपाध्याय, मां गीता पांडेय और पिता ओंकार पांडेय को दिया है. अर्चना ने एमए बीएड तक की शिक्षा हासिल की है. हॉटशीट पर पहुंचने के बाद अर्चना ने कम्प्यूटर जी के सवालों का जवाब दिया और उन्होंने 12 लाख 50 हजार रुपए जीता. अर्चना ने बताया कि हमारे पिता जी का सपना था कि वह अमिताभ बच्चन से मिलें, लेकिन ऐसा संभव नहीं हो पाया लेकिन मैं अपने ज्ञान के दम पर वहां पहुंची और अपने पिता का सपना साकार किया. इन बातों को शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता. उनके पति डॉ. राहुल ने बताया कि अर्चना कई वर्षों से पढ़ाई में ध्यान दे रही थी, उस दौरान मुझे लग रहा था कि यह इतनी मेहनत क्यों कर रही है? लेकिन जब पहली बार केबीसी से फोन आया था तो हमें विश्वास ही नहीं हो रहा था. हम जब केबीसी शो पर पहुंचे तो हम दोनों का सपना पूरा हो गया. इस उपलब्धि से हमारे परिवार में खुशी का माहौल है. यह शो बुधवार और गुरुवार की रात 9 बजे सोनी टीवी टेलिकास्ट किया गया था. वर्तमान में डॉ. राहुल नवी मुंबई के तलोजा में रहते हैं. वह मूल रूप से मड़ियाहूं तहसील के इटाएं पड़राव के रहने वाले हैं.

केंद्रीय मंत्री स्मृति इरानी कराएंगी सांसद खेल कूद प्रतियोगिता

सुलतानपुर– खेलेगा युवा–जीतेगी अमेठी के संकल्प के साथ केंद्रीय महिला एवं बाल विकास व अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री व अमेठी सांसद दीदी स्मृति इरानी अपने संसदीय क्षेत्र में सांसद खेल कूद प्रतियोगिता आयोजित कराएंगी। प्रतियोगिता का शुभारंभ प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के जन्मदिवस 17 सितंबर को होगा और यह प्रतियोगिता 8 अक्टूबर तक चलेगी।केंद्रीय मंत्री के प्रतिनिधि विजय गुप्ता ने बताया कि दीदी अपने संसदीय क्षेत्र के युवाओं की खेल प्रतिभा को निखारने के लिए उत्थान सेवा संस्थान के माध्यम से सांसद खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन करवा रही है। सभी खेलों में प्रतिभाग करने वाले खिलाड़ियों का 8 सितंबर से 10 सितंबर तक अमेठी लोकसभा की सभी विधान सभा क्षेत्रों में निःशुल्क पंजीकरण किया जायेगा। ग्रामीण स्तर पर वालीबाल,कबड्डी,क्रिकेट, खो–खो,ऊंची कूद,लंबी कूद,दौड़ आदि प्रतियोगिताएं कराई जाएंगी। वहीं विद्यालय स्तर पर रंगोली,शतरंज,भाषण,बैडमिंटन आदि प्रतियोगिताओं का आयोजन कराया जायेगा। विजेताओं को आकर्षक पुरस्कार के साथ ही सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र भी दिए जायेंगे।सांसद खेलकूद प्रतियोगिता के आयोजन की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं।अपने संसदीय क्षेत्र में दीदी स्मृति लगातार ऐसे आयोजनों के जरिए युवाओं को आगे बढ़ाने का प्रयास कर रही हैं।भाजपा नेता हिन्देश सिंह ने बताया कि सुल्तानपुर जिले की अमेठी लोकसभा की चार न्याय पंचायतों हलियापुर,तिरहुत,हसुई मुकुन्दपुर व डीह में सांसद खेल प्रतियोगिता का आयोजन होने जा रहा है।जिसके लिए न्याय पंचायत स्तर पर खिलाड़ियों का पंजीकरण किया जा रहा है।

संस्थापक दिवस मनाया गया

जौनपुर। मुक्तेश्वर प्रसाद महाविद्यालय एवं मुक्तेश्वर प्रसाद बालिका इंटर कॉलेज जौनपुर के संस्थापक स्वर्गीय मुक्तेश्वर प्रसाद श्रीवास्तव एडवोकेट के 119 में जन्म दिवस पर संस्थापक दिवस का कार्यक्रम महाविद्यालय सभागार में आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता रमेंद्र नाथ श्रीवास्तव एडवोकेट ने की। प्रारंभ में मां सरस्वती एवं संस्थापक स्वर्गीय मुक्तेश्वर प्रसाद जी के प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया । छात्र–छात्राओं ने सरस्वती वंदना एवं स्वागत गीत गया। प्रबंधक आनंद शंकर श्रीवास्तव एडवोकेट ने संस्थापक स्वर्गीय मुक्तेश्वर प्रसाद जी के व्यक्तित्व वह समाज सेवा हुआ शिक्षा जगत के क्षेत्र में किए गए सराहनीय कार्यों पर प्रकाश डाला। संस्थापक दिवस के अवसर पर वृक्षारोपण भी किया गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से प्राचार्य डॉ शोभित श्रीवास्तव, डॉ रेखा सिंह, सत्य प्रकाश ,आरती श्रीवास्तव .नागेंद्र प्रसाद एडवोकेट, मोहन शंकर श्रीवास्तव ,मनोज श्रीवास्तव,दीपक श्रीवास्तव पत्रकार , डॉ चेतना सिंह, शिवम ,धीरज, जितेंद्र ,सुरेश यादव, प्रदीप, विपिन ,संजय श्रीवास्तव सहित सैकड़ो छात्राएं उपस्थित रहे। संचालन डॉ रेखा सिंह ने किया एवं अंत में प्रबंधक आनंद शंकर श्रीवास्तव एडवोकेट ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

भव्य जन्माष्टमी का आयोजन - विराजेश्वर महादेव मंदिर में

विराजेश्ववर महादेव मंदिर में जन्माष्टमी का भव्य आयोजन

मृत्युंजय प्रताप सिंह की रिपोर्ट

लखनऊ। विराजखण्ड गोमती नगर लखनऊ स्थित विराजेश्वर महादेव मन्दिर अपने में एक अद्वितय मंदिर है जहां पर पैंतीस देव प्रतिमाएँ स्थापित है एवं विशेष रूप से नवग्रह की प्रतिमाएँ एवं नवग्रह समिधा के पौधे भी गमले में रखे गये है । मंदिर के सामने स्थित पीपल का पेड़ लगभग २०० वर्ष पुराना है एवं स्थानीय निवासियों द्वारा क्षेत्र देव के रूप में पूजा जाता है ।

आज जन्माष्टमी का उत्सव पूरी भव्यता एवं उत्साह के साथ मनाया गया । बावला भजन मंडली द्वारा भजन कीर्तन बधाई एवं सोहर गीत प्रस्तुत किया गया ।

भक्त झूम झूम कर आनंद ले रहे थे एवं भजनों पर नृत्य कर रहे थे । श्री कृष्ण जन्म मध्य रात्रि बारह बजे हुआ जिसके पूर्व मंदिर के पुजारी पंडित ब्रिजेंद्र पांडेय जी ने स्वस्ति वचन का उच्चारण किया मंदिर की लाइट बंद की गई और कृष्ण धुन के बीच प्रभु का प्राकट्य हुआ इसका पूजन श्रीमती कोकिला जायसवाल जी ने किया । उक्त अवसर पर श्रीमती लीला मिश्रा नूपुर जायसवाल एवं अन्य मातृ शक्तिया उपस्थित रही ।

बच्चों ने उत्सव का खूब आनंद उठाया ।

आरती एवं प्रसाद वितरण के पश्चात कार्यक्रम का समापन हुआ ।

पूरा कार्यक्रम विराजेश्वर महादेव धर्मार्थ न्यास द्वारा आयोजित किया गया । श्री सदानंद मिश्र श्री लक्ष्मण प्रसाद शर्मा श्री आशुतोष उपाध्याय श्री कृपा नारायण राय श्री प्रमोद कुमार सिंह श्री रमेश जायसवाल आदि उपस्थित रहे ।

जन्माष्टमी का उत्सव बडे हर्षोउल्लास के साथ मनाया गया

जौनपुर सिटी क्राइम रिपोर्टर अनुराग श्रीवास्तव

दिनांक–07.09.2023 को पुलिस लाइन्स जौनपुर में श्री कृष्ण जन्माष्टमी का उत्सव बडे हर्षोउल्लास के साथ मनाया गया, इस अवसर पर कलाकारों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। जन्मोत्सव कार्यक्रम में पुलिस अधीक्षक जौनपुर ध्दै ।रंल चंस ैंतउं, जिलाधिकारी जौनपुर श्री अनुज कुमार झा, अपर पुलिस अधीक्षक नगर श्री बृजेश कुमार, अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण श्री शैलेन्द्र सिंह, क्षेत्राधिकारी पुलिस लाइन, क्षेत्राधिकारी नगर,प्रतिसार निरीक्षक पुलिस लाइन व अन्य अधिकारी ध्कर्मचारीगण तथा जनपद के सम्मानित जनप्रतिनिधिगण व पुलिस परिवार तथा जनपद के हजारों की संख्या में सम्मानित जनता आदि मौजूद रहे। पुलिस अधीक्षक महोदय द्वारा सभी को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी की शुभकामनाएं दी गयी तथा प्रसाद का वितरण किया गया।

श्री शारदा ग्रुप ऑफ इंस्टिट्यूटशन में नव आगंतुक छात्र-छात्राओं का ओरियंटेशन कार्यक्रम का आयोजन आज

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। गोसाईगंज में स्थित श्री शारदा ग्रुप ऑफ इंस्टिट्यूशन में वर्ष– 2023 के नव आगंतुक छात्र–छात्राओं का ओरियंटेशन कार्यक्रम दिनांक– 09/09/2023 समय प्रातः 11:00 बजे आयोजित है। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में प्रो.मारुख मिर्जा (भूतपूर्व कुलपति,ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती लैंग्वेज विश्विद्यालय,लखनऊ), सम्माननीय अतिथि के रूप में प्रो. ए. के.सेन गुप्ता (प्रति कुलपति, लखनऊ विश्विद्यालय, लखनऊ) एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रो.अवधेश कुमार त्रिपाठी (डीन सीडीसी, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ) तथा अन्य वरिष्ठ गणमान्य उपस्थित रहेंगे।

इस अवसर पर प्रोफेसर विवेक मिश्रा (डीन) एवं समस्त शिक्षक – शिक्षिकाएं तथा छात्र–छात्राएं विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे।

सफाई कार्मिकों की बायोमैट्रिक उपस्थिति आदेश, न्यायालय की मंशा के विपरीत

संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश पंचायतीराज सफाई कर्मचारी संघ ने निदेशक पंचायती राज, मिशन निदेशक स्वच्छ भारत मिशन द्वारा सफाई कर्मचारियों के लिए बायोमैट्रिक आदेश न्यायालय की मंशा के विपरीत बताया है। संघ के प्रदेश अध्यक्ष राजकुमार कनौजिया के अनुसार जब उच्च् न्यायालय द्वारा ग्राम पंचायत कार्मिकों को ग्राम प्रधान के अधीन माना गया है तो इस स्थिति में बायोमैट्रिक उपस्थित का कोई मतलब नही है। उनके अनुसार पिछले 14 वर्षो से लगभग 70 प्रतिशत ग्राम पंचायत सफाई कर्मी राजस्व ग्रामों जगह विभिन्न तहसील, ब्लाक और जिलाधिकारियों में सम्बंध्द्ध है। यही नही ग्राम पंचायतों में कितने समय कार्यालय खुलेगा किस समय बायोमेट्रिक उपस्थित दर्ज कराकर सफाई कर्मी डियुटी करेगा इसका भी कोई निश्चित समय नही है। अगर इसे जबरन लागू किया गया तो लगभग 70 प्रतिशत की संख्या में सम्बंद्ध सफाई कर्मचारी बायोमैट्रिक उपस्थित दर्ज राने में असमर्थ होगें। बायोमैट्रिक उपस्थित के विरोध करते हुए राजकुमार ने निदेशक पंचायती राज को अपने द्वारा उच्चा न्यायालय में दाखिल याचिका 488/2017 का हवाला देते हुए।

कोतवाली नगर में न तो लोगों के रह रहे नौकरों की सूची और न ही किरायेदारों की सूची दो दशक पूर्व थानो पर रहतीं थीं इनकी सूची

अयोध्या।शहर मे पुलिस चोरी की घटनाओ पर अंकुश लगाने में नाकाम साबित हो रही है।जिसके चलते चोरी की घटना दिन प्रतिदिन बढ़ती ही जा रही है। अगर देखा जाए तो चोरी की घटनाओ में अधिकतर बाहरी व घुमंतू लोगों का हाथ रहता है।या फिर पीड़ित के ऐसे करीबी नौकर व अन्य लोग शामिल रहते हैं जिस पर पीड़ित क्या पुलिस को यकीन नहीं होता है। बताते चलें जब वर्ष 2002 में बावरिया गिरोह सहित अन्य गिरोह का आतंक था।तब पुलिस महानिदेशक के निर्देश पर प्रदेश के सभी जिलों की भांति इस जिले में बाकायदा शहर में रहने वाले मकान मालिकों, उनके आसपास रहने वाले किरायेदारों की सूची संबंधित नजदीकी पुलिस चौकी व थानों पर देनी होती थी।वही उस थानो पर तैनात प्रभारी निरीक्षकध्थानाध्यक्ष के अलावा प्रभारी चौकी अपने सिपाहियों के माध्यम से उनके क्षेत्रों में रहने वाले लोगो व उनके मकानों में रहने वाले किरायेदारों का सत्यापन कराते थे।इसके अलावा पुलिस कर्मियों का ध्यान घुमंतू लोगों पर पैनी नजर रहती थी।अगर देखा जाए तो कोतवाली नगर क्षेत्र में मकान मालिकों व किरायेदारों के साथ साथ घुमंतू लोगों के सत्यापन की बात छोड़िए।उनके क्षेत्रों में कितने बियर ,स्पा,ब्यूटी पार्लर सहित अन्य सेंटर संचालित है।इन सब जगहों पर पुलिस आना भी मुनासिब नहीं समझते।इस संबंध में कोतवाली नगर क्षेत्र के कई चौकी प्रभारियों से जब किरायेदारों के सूची के बारे मे बात की गई तो उन्होंने बताया कि इसका एक फार्म होता है।जिसे स्वयं मकान मालकिन अपने किरायेदारों की जानकारी पुलिस चौकी पर देती है।

क्या कहते हैं प्रभारी निरीक्षक कोतवाली नगर

इस संबंध में प्रभारी निरीक्षक कोतवाली नगर अश्वनी पाण्डेय ने बताया कि बीच बीच में शहर में रह रहे किरायेदारों की सूची उपलब्ध कराने के लिये मकान मालिकों से अपील किया जाता है। उसके बाद पुलिस द्वारा उन किरायेदारों का सत्यापन कराया जाता है। इसके अलावा सभी चौकी प्रभारियों को यह निर्देश दिया गया है कि वे सभी अपने अपने क्षेत्रों में रह रहे घुमंतू लोगों पर पैनी नजर रखे। फिलहाल सत्यापन के दौरान जो संदिग्ध दिखाई देता है पुलिस उस पर कार्रवाई करती है।

नाबालिग को बहला फुसला के भगा ले जाने के आरोप में दो गिरफ्तार

अयोध्या। कोतवाली नगर में नाबालिग बालिका को बहला फुसलाकर भगा ले जाने के दो मुकदमों मे आरोपी को गिरफ्तार किया है।वहीं बालिका को बरामद भी किया गया।पुलिस ने वाछिंत राजबब्बर यादव पुत्र परमहंस यादव निवासी ग्राम देई साड़ दुबौली खुर्द थाना लालगंज जनपद बस्ती को मुखबिर की सूचना पर अयोध्या कैंट रेलवे स्टेशन व अनूप वर्मा निवासी ग्राम अतरौली थाना महमूदाबाद जनपद सीतापुर को टीवी टावर के पास से गिरफ्तार किया।

भ्रष्टाचार के विरुद्ध बैठे सत्याग्रहियों ने कहा जब तक तोड़ेंगे नहीं तब तक छोड़ेंगे नहीं

मुख्य अभियंता कार्यालय कार्य दिवस के 19वें दिन भी ताला बंद

सत्याग्रही बरसात में भीगते हुए फुटपाथ पर सत्याग्रह करने को विवश

गोरखपुर। वर्तमान समय में सरकार ने राजस्व को लूटने के लिए भ्रष्टाचार की लूट से आम जन को विमुख करने के लिए भ्रष्टाचार पर जीरो टॉलरेंस का शंखनाद बजाती है जबकि भ्रष्टाचार में जीरो टॉलरेंस पूर्ण रूप में समाहित है।उपरोक्त तथ्यों की पुष्टि तीसरी आंख मानवाधिकार संगठन द्वारा सीएजी रिपोर्ट आधारित लोक निर्माण विभाग में कारित भ्रष्टाचार के विरुद्ध 789 दिनों से प्रचलित सत्याग्रह संकल्प पर बैठे कार्यालय परिसर से सत्याग्रहियों को जबरन बेदखल किए जाने संबंधी संवैधानिक अधिकारों के उल्लंघन पर शासकीय प्रशासकीय तंत्र की खामोशी जीरो टॉलरेंस की मूल स्थिति को व्यावहारिक रूप में बयां करती नजर आ रही है।

उपरोक्त बातें संगठन के महानगर अध्यक्ष संतोष गुप्ता ने शासकीय प्रशासकीय तंत्र की संवेदनहीन कार्यशैली पर तीव्र प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कही। उपरोक्त के क्रम में संगठन के शैलेंद्र कुमार मिश्र राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में भ्रष्टाचार के विरुद्ध प्रचलित अहिंसात्मक सत्याग्रह संकल्प के विरुद्ध पूर्वाग्रह से ग्रसित आरोपी अभियंताओं द्वारा सत्याग्रहियों को कार्यालय के मुख्य द्वार पर ताला बंद कर कार्यालय परिसर से जबरन बेदखल किया जाना अहिंसात्मक सत्याग्रह संकल्प पर संगठित भ्रष्टाचारियों का कुठाराघात हमला है, जिसके परिणाम स्वरूप वर्तमान शासकीय प्रशासकीय तंत्र की कार्यशैली पर सवालिया निशान उठना लाजमी है। उक्त के क्रम में रमाकांत पांडे ष्राजूष्प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि सत्याग्रह संकल्प व सत्याग्रहियों पर किए जा रहे दोयम दर्जे के व्यवहार पर मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश की चुप्पी भ्रष्टाचारियों के हौसले को बुलंद करती नजर आ रही है। ऐसे गंभीर मुद्दे को माननीय मुख्यमंत्री द्वारा गंभीरता से संज्ञान में लिया जाना लोकतांत्रिक व्यवस्था के अनुरूप आवश्यक है अन्यथा आने वाले दिनों में गंभीर परिणाम हो सकते हैं।

सत्याग्रह स्थल सत्याग्रही ध्रुव नारायण सिंह प्रदेश संयोजक, रामचंद्र दुबे जिला मंत्री, शमशेर जमा खान महानगर मंत्री, पवन कुमार गुप्ता जिला अध्यक्ष कुशीनगर, कार्यकारी सदस्य वीरेंद्र कुमार वर्मा, साहेब राम साहनी जिला अध्यक्ष संत कबीर नगर,वीरेंद्र राय, वसीम खान अन्य कार्यकर्ता मौजूद थे।

बदायूं निवासी महिला हत्या कांड मामले में पुलिस मुठभेड़ में मुख्य आरोपी गिरफ्तार

अयोध्या। महराजगंज थाना क्षेत्र में तीन दिन पूर्व बदायूं निवासी महिला की गला काट हत्या के मामले में पुलिस ने मुख्य आरोपी को मुठभेड़ में पुलिस ने गिरफ्तार किया है।जिसकी पहचान पुलिस ने नन्हे सिंह पुत्र प्रकाश सिंह निवासी कालुपुर बड़खेड़ा थाना बिसौली जनपद बदांयू को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तारी के दौरान मुठभेड़ में नन्हें को दाहिने पैर के नीचे घुटने में गोली लगी है,जबकि थाने के सिपाही के दाहिने बाजू को छूते हुए निकल गई।दोनों को शुक्रवार सुबह उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।गौरतलब है कि मंगलवार को एक महिला का गला कटा शव महराजगंज थाने के काजीपुर माझा विस्वल गांव के पास गन्ने के खेत में मिला था।

मृतका की शिनाख्त उसके पास मिले कागजात से राधा निवासी ग्राम पररौली थाना बिल्सी जिला बदायूं के रूप में हुई थी। पुलिस ने ग्राम प्रधान की तहरीर पर बुधवार को अज्ञात के खिलाफ हत्या और साक्ष्य छिपाने की धारा में रिपोर्ट दर्ज की थी।

इस मामले में पुलिस ने गुरुवार को दोपहर बाद देवगढ़ नहर के पास से सुनाती पत्नी तालुकदार निवासी रामपुर पुवारी मदरहिया थाना महराजगंज को गिरफ्तार किया था,जिसके बाद मुख्य आरोपी नन्हें का नाम प्रकाश में आया। थानाध्यक्ष महाराजगंज अनुपम मिश्रा का कहना है कि मुठभेड़ में नन्हें गिरफ्तार हुआ है। उसके साथ घायल सिपाही को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

मिशन शक्ति अभियान के तहत पुलिस कर्मियों ने महिलाओं व लड़कियों को किया सुरक्षा के प्रति जागरुक

अयोध्या।मिशन – शक्ति अभियान के तहत जिले की सभी थानों की नारी सुरक्षा दल व महिला बीट पुलिस दल द्वारा महिलाओं बालिकाओं व महिलाओं को सुरक्षा के प्रति जागरुक किया गया।इस मौके पर इन पुलिस कर्मियों ने संदिग्ध अवस्था में मिले लोगो को चेतावनी देते हुए कहा कि दुबारा अगर बिना कारण कही पर दिखे तो पुलिस उनके विरुद्ध कठोर कार्रवाई करेगी।शुक्रवार को मिशन शक्ति अभियान के तहत सभी थानों की महिला पुलिस दल व नारी सुरक्षा दल द्वारा अभियान के अन्तर्गत महिलाओं एवं बालिकाओं को स्वावलम्बी बनाने,उनमें सुरक्षित परिवेश की अनुभूति कराने हेतु शासन द्वारा जारी महिला सुरक्षा संबंधी विभिन्न हेल्पलाइन 1090 के साथ साथ यूपी–112,181,1076 आदि नंबर युक्त पैंपलेट वितरित कर निरन्तर जागरूक किया। इसके साथ ही गली मोहल्लों ,बाजारों, सडकों व स्कूल के आसपास बेवजह घूम रहे लड़कों शोहदों से पूछताछ कर बेवजह इधर–उधर न घूमनें की सख्त हिदायत दी गयी। इस मौके पर उन्होंने वहां पर मौजूद महिलाओं व लड़कियों को वर्तमान में बढ़ रहे साइबर फ्रॉड के सम्बन्ध में जागरुक करते हुए बताया गया कि किसी अन्जान व्यक्ति से अपना ओटीपी शेयर न करें।यदि किसी के साथ साइबर फ्रॉड होता है तो वह तत्काल साइबर हेल्पलाइन नम्बर 1930 पर सम्पर्क कर अपनी शिकायत दर्ज करायें।

मानवाधिकार सुरक्षा भारत संगठन ने जर्जर सड़क बनवाने की मांग की

हरदोई।आज मानवाधिकार सुरक्षा भारत के जिला महासचिव तौसीफ खान के द्वारा कस्बा शाहाबाद में महुआटोला चुंगी से लेकर दिलाबरपुर तक जर्जर सड़क और महुआटोला चुंगी नाले पर जो पत्थर पड़े थे बह बहुत बुरी तरीके से टूट गए है, जिसमे अक्सर कोई न कोई कार, ई रिक्शा, एवम भारी वाहन उसमे फंस जाते है। मुख्य चौराहा होने के कारण वहां पर कॉफी भीड़ भाड़ बनी रहती है और कोई बड़ी दुर्घटना होने की आशंका लगी रहती है। इसी मांग को लेकर आज उपजिलाधिकारी पूनम भास्कर को ज्ञापन दिया गया और मांग की गई टूटे हुए पत्थर की जगह पर जल्द से जल्द नए पत्थर डलवाए जाए तथा रोड को भी जल्द से जल्द बनवाया जाए जिससे कोई बड़ा हादसा न होने पाए और निकलने वाले राहगीरो को आसानी हो सके।तहसील अध्यक्ष मो, कलीम , तह० उपाध्यक्ष फिरोज अहमद, और नगर महासचिव मुदस्सिर अंसारी

महुआटोला निवासी शकील खा, असद हुसैन खान, सुहेल खां, राजकुमार, सुरेश कुमार , नीरज , उस्मान खान ,शान आदि लोग मौजूद रहे।

राजधानी के व्यापारियों ने डॉक्टर दिनेश शर्मा को निर्विरोध राज्यसभा सदस्य चुने जाने पर माला फूल से जोरदार स्वागत किया और बधाई दी

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। उत्तर प्रदेश आदर्श व्यापार मंडल के तत्वाधान में राजधानी के व्यापारियों ने प्रदेश के पूर्व उपमुख्यमंत्री डॉक्टर दिनेश शर्मा को राज्यसभा का निर्विरोध राज्यसभा सदस्य चुने जाने पर आदर्श व्यापार मंडल के प्रदेश अध्यक्ष संजय गुप्ता के नेतृत्व में उनके आवास पहुच कर उन्हे बधाई एवं शुभकामनाएं दी तथा फूल माला से स्वागत किया।

व्यापारी नेता संजय गुप्ता ने इस अवसर पर कहा डॉक्टर दिनेश शर्मा व्यापारियों के हितेषी हैं एवं उनके राज्यसभा सदस्य बनने पर व्यापारियों में उत्साह एवं खुशी है।

व्यापार नेता संजय गुप्ता ने डॉक्टर दिनेश शर्मा को पुष्प गुच्छ भेंट किया तथा उनके उज्जवल भविष्य की कामना की ।

डॉ दिनेश शर्मा को बधाई देने एवं स्वागत करने वालों में संगठन के नगर अध्यक्ष हर्जिन्दर सिंह, नगर उपाध्यक्ष राधेश्याम शर्मा, पंकज अरोड़ा ,हिमांशु रस्तोगी ,धीरज शुक्ला, अमिताभ श्रीवास्तव , भूतनाथ मंदिर मार्केट के अध्यक्ष दिनेश शर्मा ,भूतनाथ मार्केट के वरिष्ठ उपाध्यक्ष राजेश सक्सेना ,मुंशी पुलिया अध्यक्ष दीपक चौहान, विधानसभा रोड मार्केट के अध्यक्ष गुरप्रीत सिंह चड्ढा, आलमबाग चंदन नगर मार्केट के अध्यक्ष हरीश कोहली ,संगठन के वित्तीय सलाहकार शेखर पांडे, रूपेश गुप्ता सहित बड़ी संख्या में व्यापारी शामिल थे।

आकाशीय बिजली गिरने से दो किशोर की दर्दनाक मौत

बारिश से बचने को पेड़ के नीचे खड़े थे किशोर

अयोध्या।(डॉ अजय तिवारी जिला संवाददाता) जिले के थाना कोतवाली इनायत नगर क्षेत्र स्थित सिद्धनाथन मंदिर के पास बाइक से अपने घर वापस लौट रहे दो किशोरों की आकाशीय बिजली की चपेट में आने से दर्दनाक मौत हो गई।

घटना की जानकारी पाकर मौके पर पहुंची इनायतनगर पुलिस ने दोनों किशोर का शव कब्जे में लेकर पंचायत नामा कराने के उपरांत पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।प्राप्त जानकारी के मुताबिक, इनायत नगर थाना क्षेत्र स्थित हिसामुद्दीनपुर कोदई निवासी कुश कुमार यादव का 18 वर्षीय बेटा मुकेश यादव अपने बुआ के बेटे आदित्य कुमार यादव पुत्र राम कलप निवासी सिड़हिर थाना पूरा कलंदर के साथ बाइक से कहीं गया था। दोनों किशोर शुक्रवार को दोपहर करीब 12रू30 बजे अपने घर वापस लौट रहे थे और वह सिद्धनाथन मंदिर के पास पहुंचे थे। तभी मौसम खराब होने के चलते अचानक बारिश होने लगी।दोनों किशोर सड़क के किनारे बाइक खड़ी करके पेड़ों के नीचे खड़े हो गए। इतने में अचानक आकाशीय बिजली गिरी और दोनों किशोर मौके पर ही गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। मौके पर पहुंचे राहगीरों एवं स्थानीय लोगों ने आनन–फानन में एंबुलेंस बुलाया और इलाज के लिए सीएचसी मिल्कीपुर पहुंचाया।सीएचसी के डॉक्टरों ने दोनों किशोरों को मृत घोषित कर दिया। दूसरी ओर घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंचे इनायतनगर थाने के उप निरीक्षक अभय सिंह ने दोनों किशोर के शवों को कब्जे में ले लिया और विधिक कार्रवाई शुरू कर दी। इस संबंध में ग्राम प्रधान नरेंद्र यादव ने बताया कि पूरा कलंदर थाना क्षेत्र के सिड़हीर निवासी युवक आदित्य कुमार यादव कुमारगंज थाना क्षेत्र स्थित सर्वोदय इंटर कॉलेज रामगंज में इंटर में पढ़ रहा था।वह अपने मामा कुश कुमार यादव निवासी कोदई का पुरवा हिसामुद्दीन के यहां रहता था।घटना की जानकारी मिलते ही दोनों किशोर के गांवों में सन्नाटा पसर गया और पारिवारीजनों का रो–रोकर बुरा हाल रहा।

आगापुर वार्ड नम्बर 05 में क्षेत्र पंचायत सदस्य पद पर कुसुमा देवी गुप्ता हुईं विजयी

हरदोई। विकास खण्ड शाहबाद के क्षेत्र पंचायत सदस्य आगापुर वार्ड नम्बर 05 उपचुनाव में श्रीमती कुसुमा देवी गुप्ता 49 वोट से विजयी रहीं।

बी डी सी मेंबर के इस चुनाव में कुसुमा देवी गुप्ता को 514 वोट मिले जबकि उनके निकटतम प्रत्याशी शारदा को 465 वोटों से संतोष करना पड़ा। परिणामस्वरूप कुसुमा देवी गुप्ता 49 मतों से विजयी घोषित की गईं।

भाजपा व्यापार प्रकोष्ठ के जिला संयोजक नवनीत गुप्ता ने कुसुमा देवी को विजय प्रदान करने के लिए ग्राम आगापुर की जनता का आभार जताते हुए कहा कि मैं सदा गांव की जनता का आभारी रहूंगा तथा 24 घंटे ग्रामीण जनों की समस्या समाधान करने के लिए तत्पर रहूंगा।

नवनिर्वाचित क्षेत्र पंचायत सदस्य कुसुम देवी गुप्ता ने कहा कि इस उपचुनाव में हमारा प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से सहयोग करने वाले सभी मतदाताओं शुभचिंतकों का हृदय से आभार व्यक्त करती हूं।

भारतीय जनता पार्टी के जिला महामंत्री सत्येन्द्र कुमार सिंह राजपूत,बागीश सिंह राठौर, अवधेश प्रताप सिंह, पंकज कुमार सिंह, सतीश राठौर, सुशील सिंह,गौरव प्रधान, संजय सिंहमित्र परिवार के संयोजक अनुराग श्रीवास्तव, योगेन्द्र यादव,संजय अग्निहोत्री, इंद्रेश दीक्षित,आजाद सिंह,रमाकांत मौर्य एवं बसंत गुप्ता मानव सहित अनेक लोगों ने नवनिर्वाचित बी डी सी मेंबर कुसुमा देवी गुप्ता को जीत के लिए बधाई दी।

महापौर की उपस्थिति में रोजगार मेले में 140 अभ्यर्थियों का चयन

संवाददाता

लखनऊ। महापौर सुषमा खर्कवाल की गरिमामयी उपस्थिति में नगर निगम द्वारा संचालित अटल बिहारी बाजपेयी नगर निगम डिग्री कॉलेज में लखनऊ मंडल के क्षेत्रीय सेवायोजन विभाग के तत्वाधान में रोजगार मेले का आयोजन किया गया। इस रोजगार मेले में 15 कम्पनियों ने प्रतिभाग किया जिसमें 885 अभ्यर्थी उपस्थित हुए। इनमें अभ्यर्थियों में से 140 का चयन किया गया।उक्त मेले का उदघाटन मुख्य अतिथि महापौर सुषमा खर्कवाल द्वारा किया गया। चयनित सभी 140 अभ्यर्थियों को मा. महापौर जी द्वारा सांकेतिक ऑफर लेटर वितरित कर सभी को शुभकानाएं भेंट की गईं।उन्होंने अभ्यर्थियों का उत्साहवर्धन एवं रोजगार से सम्बन्धित अधिकाधिक जानकारी दी गई।उक्त आयोजन में महापौर ने कहा कि प्रदेश में युवाओं को रोजगार स्वःरोजगार से जोडकर आत्म निर्भर भारत अभियान को सफल बनाना है।उन्होंने कहा कि ष्हर हाथ को कामष् सरकार की प्राथमिकताओं में है।

बेरोजगारी किसी भी देश के विकास में प्रमुख बाधाओं में से एक है।उन्होंने कहा भारत में बेरोजगारी हमेशा से एक गंभीर मुद्दा रहा है, लेकिन इस समस्या को जड़ से खत्म करने के लिए भारत सरकार द्वारा योजनाबद्ध ढंग से कई प्रभावी कदम उठाए गए हैं और निरन्तर मा. प्रधानमंत्री व मा.मुख्यमंत्री बेरोजगरी के खात्मे के लिए प्रयासरत हैं। उन्होंने कहा कि युवा प्रतिभा एवं प्रतिभागियों के रोजगार सृजन में रोजगार मेले का बहुत महत्व होता है, क्योंकि यहां प्रतिभाग करने से युवाओं को नई दिशा प्राप्त होती है और वे रोजगार से संबंधित तमाम योजनाओं की भरपूर जानकारियां भी यहां से जुटा सकते हैं। हमें खुशी है कि इस रोजगार मेले के जरिये हमारे युवा रोजगार सृजन के साथ–साथ इस समाज और राष्ट्र के उत्तरोत्तर विकास की दिशा में समाज की मुख्यधारा में शामिल हो सकेगें।इस अवसर पर भाजपा मंडल अध्यक्ष योगेश चतुर्वेदी, पार्षद प्रतिनिधि हरीश अवस्थी, प्राचार्य डॉ सुभाष चंद्र पांडे, सहायक निदेशक सेवा योजन अशोक कुमार प्रजापति, सहायक जिला रोजगार अधिकारी श्रीमती रश्मि यादव सहित महाविद्यालय के समस्त अधिकारी, कर्मचारियों ने एवं अभ्यर्थी मौजूद रहे।

श्री राधे की भक्ती में भाव-विभोर हुआ

एस.के.डी. एकेडमी का राधोकृष्ण मन्दिर

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। श्री कृष्ण जन्माष्टमी के उपलक्ष्य में श्री राधाकृष्ण मन्दिर जिसका निर्माण आज से आठ वर्ष पूर्व एस0के0डी0 एकेडमी की वृंदावन शाखा में किया गया था में भव्य आयोजन किया गया। पूरे दिन प्रांगण में भजन कीर्तन एवं श्री कृष्ण जी की भक्ति के कार्यक्रम चलते रहे। एकेडमी के छोटे–छोटे बच्चे राधाकृष्ण, बालकृष्ण बन कर आये एवं अपनी मोहक छवि से सबको भाव विह्वल किया। मध्यरात्रि में श्री कृष्ण जन्मोत्सव राधे कृष्णा के जय जयकार, घंटाध्वनि एवं शंखनाद के बीच भक्तिमय वातावरण में सम्पन्न हुआ तथा भक्तगणों में प्रसाद वितरण हुआ। इस अवसर पर एस.के.डी. की सभी शाखाओं एवं हॉस्पिटल के कर्मचारियों ने भक्तीपूर्वक भाग लिया।

विद्यालय के निदेशक मनीष सिंह ने बताया कि श्रीकृष्ण तीन चीजो के लिए जाने जाते है पहला कर्म, दूसरा ज्ञान और तीसरा भक्ति। उन्होने जनमानस के जीवन में गीतासार का महत्व के बारे में बताया कि गीता एक ऐसा दर्शन शास्त्र है जिसमें मनुष्य को अपने जीवन से सम्बन्धित सभी समस्याओं का समाधान प्राप्त हो जायेगा। उन्होने इसके साथ कहा कि हमें अपने जीवन में सकारात्मक होना चाहिए। ईश्वर से प्रार्थना करने से पहले हमें धन्यवाद करने चाहिये। उनकी कृपा के लिए एवं प्रार्थना करें कि प्रभु का आशीर्वाद हम सभी पर बना रहे। उन्होंने सभी को श्रीकृष्ण जन्मोत्सव की शुभकामनाएँ दीं।

हिन्दी सांध्य दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित ।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0–7007415808,9628325542,9415034002

RNI संन्दर्भ संख्या – 24/234/2019/R-1

deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से सम्बन्धित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायलय होगा।